राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार,21 दिसंबर 2022 वर्ष-5,अंक-324 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना को लेकर राहत की खबर लेकर आया दिसंबर, भारत में क्या कहते हैं आकड़े

नई दिल्ली। पिछले दो सालों के आंकड़ों की बात करें तो सामान्यतः नवंबर में पूरी दुनिया में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ते हैं। चीन सहित कई देशों में एक बार फिर कोरोना कहर बरपा रहा है। चीन के अस्पताल मरीजों से पट गए हैं। हालांकि भारत की बात करें तो इस बार यहां मामले तेजी से घटे हैं। बीते सप्ताह अब तक के सबसे कम नए केस तर्ज किए गए। इसके अलावा हफ्तेभर में 12 मौतें हुईं। हालांकि सप्ताह के आखिरी तीन दिनों में किसी भी कोरोना मरीज की मौत नहीं हुई। मार्च 2020 के बाद अब सबसे कम केस आ रहे हैं। 23 से 29 मार्च 2020 के दौरान कोरोना के मामले बढ़ने शुरू हुए थे। इसी दौरान देशव्यापी लॉकडाउन लगा दिया गया था। लॉकडाउन के पहले सप्ताह 1,103 मामले पाए गए थे जबकि उसके बाद वाले सप्ताह में ही मामले बढ़कर 3,154 हो गए थे। इस साल दिसंबर के महीने में कोरोना के मामलों में 19 फीसदी की कमी आ गई।

पांच महीने से जारी है गिरावट

जून के महीने से ही भारत में कोरोना के मामलों में तेजी से कमी आ रही है। 18 से 24 जुलाई के बीच देश में 1.36 लाख नए केस दर्ज किए गए थे। उसके बाद से हर सप्ताह गिरावट ही हो रही है। 16 से 22 मार्च 2022 के बाद पिछले सप्ताह कोरोना से सबसे कम मौतें हुई हैं। वहीं बात करें दूसरे देशों की तो इशिया, यूरोप के कई देश कोरोना से जूझ रहे हैं। वहां दैनिक मामलों में उछाल भी देखा गया है।

अन्य देशों में फिर बढ़ रहा कोरोना-वर्ल्डोमीट की बात करें तो 2 नवंबर के बाद से दुनियाभर में कोरोना के मामले बढ़े हैं। 2 नवंबर को कोरोना के 3.3 लाख केस दर्ज किए गए थे जो कि 18 दिसंबर तक यह आंकड़ा 55 फीसदी बढ़कर 5.1 लाख हो गया। बीच में कुछ दिन देखा गया था कि ग्राफ नीचे आ रहा है।

स्मृति की राहुल-सोनिया को सलाह

आपको और मम्मी जी को अपने स्त्री विरोधी गुंडों के लिए नए स्पीच राइटर की जरूरत

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने राहुल और सोनिया गांधी को अपने नेताओं के लिए नए राइटर हायर करने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और उनकी मम्मी सोनिया गांधी को नए स्पीच राइटर की जरूरत है। ईरानी ने यह बात यूपी कांग्रेस के प्रांतीय अध्यक्ष अजय राय के लिए कही है। इसके साथ ही अजय को उन्होंने स्त्री विरोधी भी बताया है। दरअसल, यूपी कांग्रेस के प्रांतीय अध्यक्ष अजय राय ने मंगलवार को कहा था कि स्मृति ईरानी अमेठी में आती हैं और लटके-झटके देकर चली जाती हैं।

अजय बोले- 2024 में राहुल वाराणसी से पीएम मोदी को चैलेंज देंगे

अजय राय ने 2024 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी के अमेठी से चुनाव लड़ने के संकेत दिए थे। उन्होंने यह भी कहा था कि 2024 में राहुल गांधी वाराणसी से पीएम नरेंद्र मोदी को चैलेंज देंगे। कांग्रेस नेता के इसी बयान पर स्मृति

ईरानी ने पटलवार करते हुए कांग्रेस लीडरशिप को यह सलाह दी है।

अमेठी सांसद स्मृति ईरानी ने कहा- सुना है राहुल गांधी जी आपने अपने किसी प्रांतीय नेता से अभद्र तरीके से 2024 में अमेठी से लड़ने की घोषणा करवाई है, तो क्या आपका अमेठी से लड़ना पक्का समझूं? दूसरी सीट पर तो नहीं भागेंगे? डरेंगे तो नहीं?

पूर्व विधायक और पूर्वांचल के कद्दावर नेताओं में शुमार अजय राय ने कहा कि राहुल 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वाराणसी से चुनौती देंगे। इसके साथ ही कांग्रेस नेता ने केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को लेकर भी विवादित बयान दिया। राय ने कहा कि स्मृति तो लटके-झटके देकर चली जाती हैं।

राय ने कहा- स्मृति अमेठी आती हैं और लटके-झटके देकर चली जाती हैं। उन्होंने संकेत दिया कि राहुल गांधी 2024 में अमेठी से लोकसभा चुनाव लड़ सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 2024 में वाराणसी से वह पीएम नरेंद्र मोदी को चैलेंज देंगे।

राय के बयान पर भाजपा का पलटवार

अजय राय के बयान पर भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की रस्सी जल गई है, लेकिन बल नहीं जा रहा। कांग्रेस राहुल गांधी की अमेठी में शर्मनाक हार को पचा नहीं पा रही, इसीलिए उनके नेता महिलाओं के लिए ऐसा बयान दे रहे हैं। यही कारण है कि कांग्रेस क्क में एक सांसद और दो विधायकों वाली पार्टी रह गई। उन्होंने कहा कांग्रेस नेता अगर ऐसी ही बदजुबानी रखेंगे तो आने वाले दिनों में और दुर्गति होगी। उन्होंने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा से सवाल किया कि क्या लड़की हूं लड़ सकती हूं का कैंपेन चलाने वाली प्रियंका गांधी इस बयान को लेकर अजय राय के खिलाफ कार्रवाई करेंगीं।

कश्मीरी पंडित की हत्या का बदला पूरा

सेना ने शोपियां में लश्कर के तीन आतंकी मार गिराए

शोपियां। दो महीने पहले 15 अक्टूबर को जम्मू कश्मीर के शोपियां में आतंकियों ने कश्मीरी पंडित पूरन कृष्ण भट की गोली मारकर हत्या कर दी थी। मंगलवार को सुरक्षाबलों ने हत्या का बदला ले लिया है। शोपियां में सेना के जवानों को बड़ी सफलता हाथ लगी। मुंझ मार्ग पर सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ में लश्कर के तीन आतंकी ढेर हो गए हैं। मारे गए आतंकियों में एक पूरन कृष्ण भट की हत्या में शामिल था। एक अन्य अनंतनाग में नागरिक की हत्या में वांछित था। कश्मीर जोन पुलिस ने मंगलवार सुबह ट्वीट कर जानकारी दी कि जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले के मुंझ मार्ग इलाके में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। जिसमें सुरक्षाबलों ने लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकवादी मार गिराए हैं। एडीजीपी कश्मीर ने बताया कि शोपियां में मारे गए तीनों आतंकवादियों में से 2 की पहचान शोपियां के लतीफ लोन और अनंतनाग के उमर नजीर के रूप में हुई है। इसमें से लतीफ कश्मीरी पंडित कृष्ण भट की हत्या में शामिल था। जबकि, उमर नजीर नेपाल के बहादुर थापा की हत्या का आरोपी था। आतंकियों के कब्जे से 1 एके

47 राइफल और 2 पिस्तौल बरामद हुई है। कश्मीर जोन पुलिस ने इससे पहले मंगलवार तड़के कहा था, मुठभेड़ शोपियां जिले के मुंझ मार्ग इलाके में शुरू हुई है। पुलिस और सुरक्षा बल अपने मिशन में जुटे हैं। उस वक्त भी पुलिस ने अंदेशा जताया था कि दो से तीन आतंकवादी हो सकते हैं।

अलवर में राहुल गांधी की यात्रा रवाना हुई

अलवर। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दूसरे दिन मगलवार सुबह साढे छह बजे कटी घाटी से अपनी यात्रा शुरू हुई। इस दौरान लोगों की सड़कपर पर दोनों तरफ बडी संख्या में लोंगों की भीड़ उमड़ पड़ी और लोग उनसे मिलने के लिए सड़कों के किनारे खड़े होकर उनके आने का इंतजार करते हुए नजर आए। उसके बाद राहुल गांधी की भारत जोड़ों यात्रा भवानी तोप चौराहे से चलकर मोती डूंगरी स्थित कैबिनेट मंत्री टीकाराम जूली के कार्यालय पर पहुंची। जहां पर श्री जूली एवं उनके परिवार सहित तमाम कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारियों ने राहुल गांधी का स्वागत किया। उसके बाद राहुल गांधी की यात्रा मोती डूंगरी पहुंची जहां राहुल गांधी ने मार्शल आर्ट्स बच्चो को मंच से नीचे बुलाया और बच्चो से मिले। मार्शल आर्ट के बच्चों ने राहुल गांधी को अपने करतब दिखाए जिससे वह बच्चो के करतब देखकर काफी प्रसन्न हो गए। उसके बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने उनको अलवर का कलाकंद खिलाया। मोती डूंगरी से यात्रा शुरू हुई और एस एम डी सर्किल होते हुए नंगली सर्किल बिजलीघर सर्किल भगत सिंह होते हुए नमन होटल से हनुमान चौराहा पहुंची जहां पर पैदल यात्रा का समापन हुआ। उसके बाद राहुल गांधी गाड़ी में बैठकर लोहिया के तिबारे

के समीप मोदी गढ़ पहुंचे जहां पर उन्होंने ब्रेक फास्ट किया। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के तहत सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा भारी मात्रा में पुलिस जाब्ता लगाया गया और पूरी सुरक्षा चाक-चौबंद थी। जैसे ही राहुल गांधी शहर से निकले लोग अपने घरों की छतों पर चढ़कर उनकी फोटो वीडियो बनाने लगे वही जिस जगह से राहुल गांधी की यात्रा निकल रही थी उस जगह मौजूद घरों की छतों पर सुरक्षा की दृष्टि से पुलिसकर्मी तैनात किए गए। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का नजारा शहर में देखने लायक था हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे। राहुल गांधी की यात्रा के दौरान मुख्य मंत्री अशोक गहलोत, कैबिनेट मंत्री टीकाराम जूली और पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह सहित तमाम नेता उनके साथ यात्रा में पैदल चलते हुए नजर आए। राहुल गांधी की यात्रा के दौरान शहर में जगह जगह उनका स्वागत किया गया और अलग-अलग चौराहों पर बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। जैसे ही राहुल गांधी की यात्रा शहर से निकलने के बाद रास्तों में जगह जगह जाम लग गया। उसके बाद ट्रैफिक पुलिस कर्मी द्वारा जाम खुलवा कर ट्रैफिक की व्यवस्था को दुरुस्त किया गया। मोदी गढ़ में ब्रेकफास्ट करने के बाद राहुल गांधी की यात्रा रामगढ़ पहुंचेगी और रामगढ़ से नौगावा तक राहुल गांधी पैदल अपनी यात्रा निकालेंगे उसके बाद रात्रि विश्राम नौगांवा के कृषि महाविद्यालय में होगा उसके बाद बुधवार सुबह राहुल गांधी की यात्रा हरियाणा सीमा में प्रवेश कर जाएगी।

स्वीकृत भार से अधिक बिजली का इस्तेमाल करना उसका दुरुपयोग होगा : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा कि स्वीकृत भार से ज्यादा बिजली का इस्तेमाल करना उसका दुरुपयोग होगा। उपभोक्ता उसके उपयोग शुल्क का दोगुना अदा करने के लिए उत्तरदायी होगा। इससे फर्क नहीं पड़ता कि उसने मीटर से छेड़छाड़ नहीं की और बिल के अनुसार भुगतान किया, यह स्वीकृत भार से ज्यादा के उपयोग के दायरे में आएगा। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला देते हुए केरल हाईकोर्ट के फैसले को निरस्त कर दिया। इसमें कहा गया था कि यदि उपभोक्ता स्वीकृत भार से ज्यादा बिजली प्रयोग कर रहा है और उसने मीटर में छेड़छाड़ नहीं की है तो उस पर

दुरुपयोग का दोगुना शुल्क नहीं लगाया जा सकता क्योंकि वह अतिरिक्त बिजली का भुगतान कर रहा है। उसका अपराध का इरादा नहीं है। वह जरूरत के अनुसार, बिजली ले रहा था और मीटर के अनुसार भुगतान कर रहा था। इस फैसले के खिलाफ बिजली बोर्ड ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। बोर्ड का कहना था कि लोड का वितरण क्षेत्र की जरूरत के हिसाब से होता है। इस पर नियंत्रण नहीं रखा तो उत्पादन और वितरण असंतुलित हो जाएगा। ऐसी स्थिति रोकने के लिए ही भार स्वीकृत किए जाते हैं।

उमेश कोल्हे की हत्या के पीछे तब्लीगी जमात, नुपुर शर्मा का पोस्ट शेयर करने के बाद हुआ था मर्डर

मुंबई। महाराष्ट्र के अमरावती में फार्मासिस्ट उमेश कोल्हे मर्डर केस में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने खुलासा किया है। एनआईए का दावा है कि पैगंबर मोहम्मद के कथित अपमान का बदला लेने के लिए तब्लीगी जमात के कट्टरपंथी इस्लामवादियों ने उमेश कोल्हे की हत्या कर दी थी। एनआईए ने अपनी चार्जशीट में ये दावा किया है। एनआईए ने शुक्रवार को अदालत में अपनी चार्जशीट दाखिल की है। चार्जशीट में ये भी कहा गया कि अमरावती हत्याकांड से सिर्फ अमरावती ही नहीं, बल्कि पूरे देश में शांति भंग हुई। इस हत्या के कारण विभिन्न इलाकों में दंगे हुए थे। इन दंगों के बाद लोगों को उनकी नौकरी छोड़ने के लिए धमकाया गया। अपनी सुरक्षा के चलते कई लोग घरों में

छिप गए थे। जांच एजेंसी ने कहा कि इस तरह की आतंकवादी कार्रवाई ने भारत की अखंडता और दृढ़ता पर सवाल उठाया है।

एनआईए ने इसे कट्टरपंथी लोगों के एक गिरोह द्वारा आतंक का कृत्य बताया है। एनआईए ने आगे कहा कि वे इस हत्या से एक उदाहरण पेश करना चाहते थे। उमेश कोल्हे की हत्या धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आधार पर की गई थी।

11 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट

एनआईए ने शुक्रवार को विशेष अदालत के सामने 11 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दायर की है। सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपियों पर आईपीसी की धारा 120 बी (आपराधिक साजिश), 302 (हत्या), 341 (गलत तरीके से रोकना), 153 ए (दुश्मनी को बढ़ावा देना), 201 (सबूतों को मिटाना), 506 (आपराधिक धमकी) के साथ-साथ कई केस दर्ज किए गए हैं।

नुपुर शर्मा का पोस्ट किया था शेयर

गौरतलब है कि भाजपा की निष्कासित नेता नुपुर शर्मा का पोस्ट शेयर करने के बाद 21 जीन को उमेश कोल्हे की हत्या कर दी गई थी।

दिल्ली-एनसीआर में कोहरे के लिए 23 दिसंबर तक येलो अलर्ट जारी, हवा की गुणवत्ता भी 'बेहद खराब'

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार को भी घना कोहरा छाया रहा। साथ ही उत्तर भारत के कई राज्यों में शीतलहर शुरू हो गई हैं। घने कोहरे ने लोगों की दिक्कतें और बढ़ा दी हैं। कोहरे के चलते विजिबिलिटी घटने से जहां धरती से आसमान तक रफ्तार थम गई है। वहीं, मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों के दौरान दिल्ली समेत उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में घना से बहुत घना कोहरा का अनुमान जताया है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, दिल्ली में मंगलवार को सुबह घना कोहरा छाने और दिन में आसमान साफ रहने की संभावना है। मंगलवार को न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है, जबकि अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। दिल्ली का वायु गुणवत्ता स्तर सुबह 7.00 बजे बहुत खराब श्रेणी में था। सोमवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 7.2 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक 23.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। पिछले 24 घंटों में आर्द्रता का स्तर 49 प्रतिशत से 97 प्रतिशत के बीच रहा है।

राजधानी दिल्ली में सोमवार को सीजन का पहला घना कोहरा छाया रहा। आईएमडी ने कोहरे के लिए अब 23 दिसंबर तक येलो अलर्ट जारी किया है, दिल्ली में मध्यम से घना कोहरा जारी रहने का अनुमान है। मंगलवार और बुधवार की सुबह जहां घना कोहरा छाने की संभावना है, वहीं गुरुवार को मध्यम से घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। आईएमडी ने शुक्रवार को सुबह एक बार फिर घना कोहरा छाए रहने का अनुमान जताया है। येलो अलर्ट आम तौर पर जनता को मौसम की घटना के बारे में सूचित करने के लिए जारी किया जाता है। आईएमडी ने आने वाले दिनों में अधिकतम तापमान में और गिरावट का अनुमान जताया है। जहां मंगलवार और बुधवार दोनों दिन अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है, वहीं गुरुवार को यह 21 डिग्री के आसपास रहेगा। वहीं, दिल्ली की वायु गुणवत्ता मंगलवार सुबह बेहद खराब श्रेणी में रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, सुबह 7 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 382 रहा। सोमवार को 24 घंटे का औसत एक्यूआई 410 रहा, जो गंभीर श्रेणी में है। दिल्ली की हवा में प्रमुख प्रदूषक PM2.5 है। गौरतलब है कि एक्यूआई को शून्य से 50 के बीच अच्छा, 51 और 100 के बीच संतोषजनक, 101 और 200 के बीच मध्यम, 201 और 300 के बीच खराब, 301 और 400 के बीच बेहद खराब और 401 और 500 के बीच गंभीर माना जाता है। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्र, सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च ने मंगलवार को कहा कि समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक रेडियोधर्मी कोहरे की घटना के कारण बहुत खराब वायु गुणवत्ता का संकेत देता है। कम तापमान और लगभग संतृप्त (95त्न से अधिक) सापेक्ष आर्द्रता। महीन कण (2.5 माइक्रोमीटर से कम आकार) PM10 में लगभग 56 प्रतिशत योगदान करते हैं।

SAFAR ने कहा है कि अगले 3 दिनों के लिए सतही हवा की गति (8 से 16 किमी/घंटा) और तापमान (न्यूनतम 7 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम 23 डिग्री सेल्सियस के बीच) से वायु गुणवत्ता सूचकांक में वृद्धि होने की संभावना है। मिक्सिंग लेयर की ऊंचाई लगभग 1.0 किमी होने की संभावना है, जो प्रदूषकों के कमजोर पड़ने में मदद करती है। अपेक्षाकृत कम तापमान और मध्यम हवा की गति के कारण प्रदूषकों के कमजोर से मध्यम फैलाव के कारण अगले 3 दिनों तक हवा की गुणवत्ता खराब होने की संभावना है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

राहुल गांधी की अंग्रेजी-भक्ति?

देश के सारे नेता या भद्रलोक के लोग अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में इसीलिए भेजते हैं कि भारत दिमागी तौर पर अभी भी गुलाम है। उसकी सभी ऊँची नौकरियां अंग्रेजी माध्यम से मिलती हैं। उसके कानून अंग्रेजी में बनते हैं। उसकी सरकारें और अदालतें अंग्रेजी में चलती हैं।

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

राजस्थान में राहुल गांधी ने अंग्रेजी माध्यम की पढ़ाई की जमकर वकालत कर दी। राहुल ने कहा कि भाजपा अंग्रेजी की पढ़ाई का इसलिए विरोध करती है कि वह देश के गरीबों किसानों मजदूरों और ग्रामीणों के बच्चों का भला नहीं चाहती है। भाजपा के नेता अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में क्यों पढ़ाते हैं? राहुल ने जो आरोप भाजपा के नेताओं पर लगाया वह ज्यादातर सही ही है लेकिन राहुल जरा खुद बताए कि वह खुद और उसकी बहन क्या हिंदी माध्यम की पाठशाला में पढ़े हैं? देश के सारे नेता या भद्रलोक के लोग अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में इसीलिए भेजते हैं कि भारत दिमागी तौर पर अभी भी गुलाम है। उसकी सभी ऊँची नौकरियां अंग्रेजी माध्यम से मिलती हैं। उसके कानून अंग्रेजी में बनते हैं। उसकी सरकारें और अदालतें अंग्रेजी में चलती हैं। भाजपा ने अपनी नई शिक्षा नीति में प्राथमिक शिक्षा को स्वभाषा के माध्यम से चलाने का आग्रह किया है जो कि बिल्कुल सही है। लेकिन भाजपा और कांग्रेस दोनों की कई प्रांतीय सरकारें अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों को प्रोत्साहित कर रही हैं। किसी विदेशी भाषा को पढ़ना एक बात है और उसको अपनी पढ़ाई का माध्यम बनाना बिल्कुल दूसरी बात है। मैंने पहली कक्षा से अपनी अंतरराष्ट्रीय पीएच.डी. तक की परीक्षाएं हिंदी माध्यम से दी है। स्वभाषा के माध्यम से पढ़ने का अर्थ यह नहीं है कि आप विदेशी भाषाओं का बहिष्कार कर दें। मैंने हिंदी के अलावा संस्कृत जर्मन रूसी और फारसी भाषाएं भी सीखीं। अंग्रेजी तो हम पर थोप ही दी जाती है। राहुल का यह तर्क सही है कि गरीब और ग्रामीण वर्ग के बच्चे अंग्रेजी स्कूलों में नहीं पढ़ते इसलिए वे पिछड़ जाते हैं। वे भी अंग्रेजी पढ़ें और अमेरिका जाकर अमेरिकियों को भी मात करें। राहुल की यह बात मुझे बहुत पसंद आई लेकिन मैं पूछता हूं कि हमारे कितनी विद्यार्थी अमेरिका या विदेश जाते हैं? कुछ हजार छात्रों की वजह से करोड़ों छात्रों का दम क्यों घोटा जाए? जिन्हें विदेश जाना हो वे साल-दो साल में उस देश की भाषा जरूर सीख लें लेकिन किसी विदेशी भाषा को 16 साल तक अपनी पढ़ाई का माध्यम बनाए रखना और उसे करोड़ों बच्चों पर थोप देना कौनसी अक्लमंदी है? हिरण पर घांस क्यों लादी जाए? यदि हमारे नेता लोग चाहते हैं कि गरीबों ग्रामीणों पिछड़ों किसानों और मजदूरों के बच्चों को भी जीवन में समान अवसर मिलें तो देश में सभी बच्चों के लिए स्वभाषा-माध्यम की पढ़ाई अनिवार्य होनी चाहिए। अंग्रेजी माध्यम की पढ़ाई पर कठोर प्रतिबंध होना चाहिए। विदेशी संपर्कों के लिए हमें सिर्फ अंग्रेजी पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। विदेश-व्यापार विदेश नीति और उच्च-शोध के लिए अंग्रेजी के साथ-साथ फ्रांसीसी जर्मन चीनी रूसी अरबी हिस्पानी जापानी आदि कई विदेशी भाषाओं की पढ़ाई भी भारत में सुलभ होनी चाहिए। दुनिया के किसी भी संपन्न और शक्तिशाली राष्ट्र में छात्र-छात्राओं की पढ़ाई का माध्यम विदेशी भाषा नहीं है।

सूक्ति

मनुष्य अपने जन्म से नहीं बल्कि अपने कर्म से महान बनता है।
- चाणक्य

आशा कभी आपको छोड़कर नहीं जाती है आप इसे छोड़ते है।
- जॉर्ज वीनवर्ग

लॉफिंग ज़ोन

सेठ जी के रेडीमेड कपड़ो के शोरूम में चोरी हो गई। उनके एक खास दोस्त ने पूछा, 'आपके शोरूम में चोरी हो गई, काफी नुक्सान हुआ होगा?'

सेठ जी बोले, 'अरे भाई दीवाली के सीजन पर दी गई पैंतीस प्रतिशत छूट की वजह से इतना ज्यादा नुक्सान नहीं हुआ। अगर छूट न दी होती तो नुक्सान कहीं ज्यादा हो जाता।'

□ □ □

उदयपुर के पुराने महल को देखते हुए एक पर्यटक बहुत 'थक गया, वहीं पुराने जमाने की एक कुर्सी रखी थी। वह उसी पर बैठ गया। इस पर महल दिखाने वाला गाइड गुस्सा होकर बोला, 'साहब इस पर न बैठें यह कुर्सी महाराणा उदय सिंह की हैं।'

'बहुत थक गया हूं, भैया थोड़ी देर बैठ लेने दो। महाराणा आएंगे तो उठ जाऊंगा।' पर्यटक महाशय बोले।

□ □ □

अध्यापक अपने एक सबसे प्रिय छात्र से कहा, 'राजू तुम अपनी मां का कहना तो मानते होगे?'

'जी सर, वह जितना कहती हैं उससे भी ज्यादा मानता हूं।'

'वह कैसे?'

राजू 'जब मां कहती है जा। फ्रिज में रखी आधी मिठाई खा ले तो पूरी खा लेता हूं।'

बेरोजगारी बढ़ने से गंभीर होती चुनौतियां

गुरबचन जगत

मुझे भारत में नियुक्त इटली के राजदूत के लिखे विचारों को पढ़कर कुछ अजीब तो लगा पर हैरानी नहीं हुई, जब वे कहते हैं कि वहां काम करने गए पंजाबियों को वर्क-परमिट इटली के व्यापार जगत के अनुरोध पर जारी हुए हैं, जो इन्हें एक मेहनती समुदाय की नज़र से देखते हैं। राजदूत ने आगे कहा कि यूरोपियन यूनियन के मुल्कों में अप्रवासी भारतीयों की सबसे अधिक गिनती इटली में है और इनमें 80 फीसदी पंजाबी हैं, जिनकी संख्या और बढ़ रही है। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय और पंजाबी कामगारों का योगदान इटली की आर्थिकी में अभिन्न है, खासकर कृषि और डेयरी क्षेत्र में। इटली में अप्रवासियों की संख्या में दस गुणा से अधिक वृद्धि हुई है, जो कि वर्ष 1991 में महज 20 हजार से बढ़कर इस साल 2.1 लाख हो चुकी है। भारतीयों का पलायन इटली के अलावा कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, यूके, यूएसए इत्यादि अन्य देशों की ओर भी हो रहा है। कनाडा के वीसा चाहवानों की लंबी पंक्ति दूतावास के बाहर लंबी होती जा रही है और यह रोजाना का मंजर है। यही हाल अन्य देशों में जाने की हसरत का है। कनाडा ने चंडीगढ़ में अपने उप-दूतावास का विस्तार इसलिए किया है ताकि वीसा संबंधी काम जल्द निपट सकें। यहां पंजाब सरकार से सवाल करना प्रासंगिक होगा कि राज्य के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बनाने के मामले में उसने क्या किया है। अब तक तो इस दिशा में नए विचारों को अंकुरित हो जाना चाहिए था। आम आदमी पार्टी सत्ता में न केवल विदेशों की ओर हो रहा पलायन रोकने का वादा करके आई थी बल्कि वापसी करवाने का भी लेकिन हुआ क्या? विदेशों को लगी दौड़ न केवल देश के लिए बहुत बड़ी आर्थिक हानि है बल्कि हमारी युवा शक्ति और भविष्य के लिए भी, क्योंकि उनको यहां पर कोई आस नज़र नहीं आ रही है। रोजगार सीमित हैं। पहले विदेशों का रुख अधिकांशतः किसानों के बच्चे करते थे, जो सिकुड़ते खेतों और कमाई के मद्देनज़र पलायन करने लगे। आज कारोबारी, व्यापारी और यहां तक कि नौकरीपेशा तबके के बच्चे भी पश्चिमी देशों की ओर जाने लगे हैं। इस लगातार बढ़ते घाटे को थामने का उपाय रोजगार के अच्छे अवसर बनाना है। यह काम या तो सरकारी नौकरियों के जरिए या फिर निजी क्षेत्र में काम-धंधे पैदा करके होगा। इनमें भी ज्यादा संभावना निजी क्षेत्र में है। इसलिए सवाल जो होना चाहिए वह यह है कि इसके लिए किया क्या जा रहा है? सूक्ष्म, लघु, छोटे, मध्यम एवं विशाल उद्योग-कारोबार को पनपने के लिए मुफीद माहौल कैसे बनाया जा रहा है? यहां बात केवल सरकार से मिलने वाले फंड की नहीं है बल्कि सरकार की भूमिका बतौर माहौल प्रदाता अधिक है। यह कितना निवेश का स्वागत और उत्साहित करने वाला है? विदेशी सरकारों द्वारा निवेशकों के लिए पलक-पांवड़े बिछाने की असंख्य कहानियां हम सुनते हैं। यह इसलिए कि क्योंकि वे जानते हैं कि पीछ-पीछे रोजगार के अवसर खुद-ब-खुद पैदा होंगे और उनके समाज में खुशहाली आएगी। यहां हम मुफ्त की रेवड़ियां बांटने के लिए तो सारी गुणा-भाग करने में बहुत निपुण हैं पर क्या किसी ने रोजगार और जिलावार या क्षेत्रवार निवेश लाने की जहमत की है? या फिर इसकी अहमियत ही नहीं है? पिछली सरकारें अप्रवासी भारतीयों का राज्य एवं केंद्र स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया करती थीं जिसका नतीजा नगण्य या शून्य रहता था। 'केवल जुबानी-कलामी बातें और ठोस नीति कुछ नहीं' वाले ये आयोजन केवल मीडिया कवरेज पाने तक सीमित रहे। आज, पंजाब में नया निवेश तो क्या आना, उलटे अप्रवासी पंजाबी यहां की अपनी सम्पत्तियां बेचने में लगे हैं। बेशक यह समस्या मौजूदा सरकार की बनाई नहीं है, लेकिन ये लोग रोजगार और विकास का वादा करके ही इतना विशाल बहुमत हासिल कर पाए थे। जब इटैलियन राजदूत को पंजाब के साथ खाद्य प्रसंस्करण, डेयरी फार्मिंग, कृषि मशीनरी और कोल्ड चेन पैकिंग के क्षेत्र में संयुक्त उपक्रम करने में असीम संभावनाएं दिखाई दे रही हैं तो क्या पंजाब सरकार में किसी को यह सुनाई दिया? क्या इस पर काम करने के लिए कोई योजना बनाई है? सूचना के अनुसार, भारत में तकरीबन 600 इटैलियन कंपनियां हैं, अधिकांशतः महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु, दिल्ली और कर्नाटक में। चंडीगढ़ हवाई अड्डा आज भी एक सफल गाथा न बन पाया (अबतक तो नाम बदलना ही शोहरत पाने को मुख्य दावा है)। अगस्त माह तक अनेक अतंर्राष्ट्रीय उड़ानें यहां से शुरू होने की जो बात कही गई थी उसका क्या हुआ? पिछले दशक में ऐसे कई अगस्त आये और चले गए, बहुत पहले इस हवाई अड्डे के अंतर्राष्ट्रीय होने का ऐलान किया गया लेकिन फिर भी देश में सबसे अधिक अप्रवासी भारतीयों वाले एक समुदाय के तौर पर पंजाबियों को विदेशों की उड़ान पकड़ने के लिए दिल्ली जाने की जहमत उठानी पड़ती है। हम किस मुंह से व्यापार और काम-धंधे में निवेश की चाहत रखे हुए हैं जब संभावित निवेशकों को बतायें कि न केवल हमारा अंचल समुद्र तट विहीन है बल्कि विदेशी हवाई उड़ान संपर्क नगण्य है? इसकी तुलना यदि कोच्चि हवाई अड्डे से करें तो 'द हिंदू' की खबर के अनुसार अप्रैल-जून की तिमाही तक लगभग 21 लाख अंतर्राष्ट्रीय यात्री आये-गये। व्यापार और नवउद्योग स्थापित करने हेतु मैत्रीपूर्ण माहौल प्रदान करके ही भारतीय अप्रवासी समुदाय को मूल्यवान स्रोत में तब्दील किया जा सकेगा। इटैलियन राजदूत के विचारों को इतने विस्तार से बताने के पीछे मेरा मकसद केवल उस पैमाने की महत्ता गिनाना है कि जब केवल अकेले इटली से हमारा इतना फायदा हो सकता है तो इसमें विशालकाय ऑस्ट्रेलिया-कनाडा की निवेश और मानव संसाधन के जरिए संयुक्त उपक्रमों को बढ़ावा देने वाली सरकारों को जोड़ लिया जाए तो कितना हो सकता है। बात केवल पंजाब की क्यों? खुद केंद्र सरकार ने करोड़ों नौकरियां देने का वादा किया था। यह तमाम नौकरियां अब कहां गईं? पंजाब, हरियाणा, हिमाचल और उत्तराखंड में तो कतई नहीं बल्कि सशस्त्र बलों में भर्ती होने की रिवायती रोजगार संभावना भी नाकाफी है। अब तो इन राज्यों के युवा भी विदेशी मुल्कों का रुख करने लगे हैं। सांसद महुआ मित्रा ने राष्ट्रीय सांख्यिकी विभाग के आंकड़ों का हवाला देते हुए संसद में कहा है कि अक्तूबर माह में देश का औद्योगिक उत्पादन 4 प्रतिशत घटा है जोकि पिछले छह महीनों का न्यूनतम है और विनिर्माण क्षेत्र, जो आज भी रोजगार का सबसे बड़ा स्रोत है, इसमें भी 5.6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है (एनडीटीवी के अनुसार)। महुआ ने हमारे सामाजिक ताने-बाने के एक अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्र के आंकड़ों के हवाले से कहा कि लगभग 2 लाख लोगों ने 2022 के पहले 10 महीनों में भारतीय नागरिकता त्याग दी है। जबकि पिछले नौ साल के दौरान यह संख्या कुल मिलाकर 12.5 लाख थी। इन आंकड़ों से कोई भी अंदाजा लगा सकता है कि विदेशी नागरिकता लेने के चाहवानों में अधिसंख्य मध्य-स्तर के कारोबारी होंगे। यह स्थिति पहले ही ठिठक चुकी अर्थव्यवस्था में और अधिक बेरोजगारी बनाएगी। 13 दिसम्बर को वित्त मंत्री ने अपने संसदीय व्यक्तव्य में कहा कि बैंकों ने पिछले 5 वित्तीय वर्षों में 10 लाख करोड़ के ऋण माफ किए हैं। 'द ट्रिब्यून' में छपी एक खबर में बताया गया कि रिजर्व बैंक ने केंद्र सरकार को सूचित किया है कि कुछ प्रावधानों के अंतर्गत चोटी के 25 ऋण डिफाल्टरों के अलावा 10 लाख करोड़ का कर्ज दबाए बैठे अन्य लोगों के नाम उजागर नहीं किए जा सकते। वहीं अगर कोई आम आदमी स्कूटर, कार, घर के लिए उठाया ऋण वापस न कर पाए तो सब जानते हैं कि बैंकों ने उगाही के लिए विशेष टीमें बना रखी हैं, जो जोर-जबरदस्ती करने को उतारू हो जाती हैं और कुछ नहीं मिला तो इनको जब्त कर लेती हैं। मैं खुद के अर्थशास्त्री होने का दावा नहीं करता इसलिए यह गड़बड़झाला आम आदमी की भाषा में समझाने का काम विशेषज्ञों पर छोड़ता हूं। इस तमाम तफ्सील के पीछे बिंदु यह है कि एक ओर केंद्र सरकार युवाओं के लिए यथेष्ट संख्या में रोजगार पैदा करने में विफल रही है तो दूसरी ओर बड़े और मध्यम कारोबारी घराने अपने काम-धंधों को मुनाफादायक बनाने में असफल हुए हैं और कर्ज माफी पा गए, हम आम लोगों के लिए क्या? अर्थव्यवस्था और रोजगार का क्या होगा? लाखों युवा बेकार घूम रहे हैं और नशा बेचने वालों व अपराधी टोलों का आसान निशाना हैं। मीडिया की खबरों के अनुसार पड़ोसी देशों से आने वाले मादक पदार्थों की पंजाब में भरमार है। जितनी मात्रा पकड़ में आई है उससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि असल में समाज में कितनी बिक रही होगी। सबसे बड़ी खेपें महाराष्ट्र और गुजरात के तटों से आ रही हैं, कुछ ही मात्रा पकड़ में आई है। वास्तव में, समूची तटरेखा में स्मगलिंग के लिहाज से सुराख हैं और इस पर नियंत्रण के लिए राज्य एवं केंद्र सरकारों को संयुक्त रूप से काम करना होगा। हथियार न केवल सीमा पार से आ रहे हैं बल्कि देश में भी बन रहे हैं। अपराध और अपराधी फल-फूल रहे हैं, स्थानीय लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। तमाम मुख्य शहरों और यहां तक कि छोटे शहरों से रोजाना अखबारों में दिमाग को सुन्न कर देने वाली संख्या में बलात्कार, हमले, चोरियों इत्यादि के मामले पढ़ने को मिल रहे हैं। 'गैंग' शब्द हमारे शब्दकोष में नया घुस आया है। आज की तारीख में गैंगस्टर, गायक, नशा समग्लर, हथियारों के सौदागर और राजनीति एवं आपराधिक न्याय तंत्र में बैठे उनके आकांओं का गठजोड़ बना हुआ है। इन दिनों जो पुलिस राजनीतिक आकाओं का हुक्म बजाने में ज्यादा मशगूल है वह क्योंकर वक्त की हकीकतों को जवाबदेह होने लगी। कानून का राज अब राजनीतिक एजेंडे और जरूरतों के निजाम में तब्दील हो चुका है। इस आपराधिक स्थिति में इजाफा देश में गतिविधियां चला रहे चरमपंथी संगठन कर रहे हैं। जम्मू-कश्मीर, पंजाब, उत्तर-पूर्वी राज्यों और जनजातीय क्षेत्रों में असहज शांति की स्थिति है। राज्य एवं केंद्र सरकार को अपने संसाधन मिलाकर इस स्थिति का सामना करना होगा क्योंकि चीन और पाकिस्तान से लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा और नियंत्रण रेखा पर भी हम टाइम बम पर बैठे हैं। इन तमाम समस्याओं का उत्तर बढ़िया प्रशासन से शुरू होता है। समय आ गया है कि सरकारें संस्थानों और प्रशासनिक तंत्र की मशीनरी की आजादी सुनिश्चित करें और इनका इस्तेमाल साझा अच्छाई के हितार्थ करें। पार्टी का एजेंडा और तरजीहें कानून का राज, शासन चलाने और राष्ट्रीय हितों के आड़े न आए। पंजाब में हमें और भी सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि हम पहले ही अग्नि-परीक्षा से गुजर चुके हैं। हम, आम नागरिकों को अधिकार है कि सरकार से कहें कि इससे पहले कि हालात फिर से हमें आन घेरें, संभावित समस्याओं का अंदाजा लगाकर प्रतिरोधात्मक उपाय करने चाहिए। क्षितिज पर लक्षण दिखाई दे रहे हैं और इन सदृश्य एवं अदृश्य संकेतों को बूझना हम पर निर्भर है।

लेखक मणिपुर के राज्यपाल, संघ लोक सेवा आयोग अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर में पुलिस महानिदेशक रहे हैं।

सृष्टि के सौंदर्यीकरण का सूत्रधार है किसान

(लेखक- डॉ.शंकर सुवन सिंह)

भारत एक कृषि प्रधान देश है। भारत की आधी से ज्यादा आबादी खेती पर निर्भर रहती है। किसान अनाज उगाकर अपना जीवन यापन करता है और लोग इसी अनाज को खाकर जीवित रहते हैं। जब किसान अनाज उगाता है तब वह लोगों के थाली में आता है। खेती सम्बन्धी कार्य को करने वाला व्यक्ति किसान कहलाता है। किसान को कृषक या खेतिहर के नामों से भी पुकारा जाता है। खाद्यान्न के उत्पादन से लेकर विपणन तक की व्यवस्था किसानों के जिम्मे होती है। किसान खेत का मालिक हो सकता है। कृषि भूमि के मालिक द्वारा काम पर रखा गया मजदूर भी किसान हो सकता है। श्रम के बिना किसान या श्रमिक होना असंभव है। अतएव किसान और श्रमिक एक दूसरे के पूरक हैं। कृषक शब्द श्रम से बना है। श्रम का मतलब मेहनत होता है। मेहनत दो प्रकार की होती है शारीरिक मेहनत और मानसिक मेहनत। शारीरिक मेहनत करके आजीविका चलाने वाले व्यक्ति को कृषक कहते है। अर्थशास्त्र में श्रम का अर्थ है शारीरिक श्रम। इसमें मानसिक कार्य भी शामिल हैं। जिस प्रकार मछली का सम्बन्ध पानी से है उसी तरह कृषक का सम्बन्ध श्रम से है। मछली बिना जल के जीवित नहीं रह सकती उसी प्रकार किसान बगैर श्रम के जीवित नहीं रह सकता। कहने का तात्पर्य - श्रम आजीविका का साधन है। जिस पर कृषक निर्भर रहता है। किसान शारीरिक श्रम करके अपना और अपने परिवार का पेट पालता है। वहीं शिक्षित वर्ग मानसिक श्रम करके अपना और अपने परिवार का पेट पालता है। किसान और शिक्षित वर्ग दोनों श्रमिक हैं। एक शारीरिक श्रम पर निर्भर है तो दूसरा मानसिक श्रम पर। अतएव बिना श्रम के किसान की बात करना निरर्थक है। श्रम है तो कृषक है। किसान निष्काम सेवा का सबसे बड़ा प्रमाण है। परिश्रम रूपी जीवन का दूसरा नाम ही किसान है। मिट्टी को सोना हमारे किसान ही बनाते हैं। हीरे जवाहारात रूपी लहलहाती फसलें धरती के सौंदर्यीकरण में चार चाँद लगा देती हैं।

धरती की सुंदरता का सशक्त माध्यम किसान ही है। किसान कर्मयोगी है। सख्त धुप कड़कड़ाती ठण्ड और घनघोर बारिश में कर्मयोगी की भाँति वह अपनी साधना में लीन रहते है। किसान सभी ऋतुओं का आनंद लेता है। किसान अपने आप को सभी मौसम में ढाल लेता है। मानो ऐसा लगता है मौसम और किसान एक दूसरे के पूरक हों। सारी ऋतुएं किसान के सामने हँसती-खेलती निकल जाती हैं। किसान मिट्टी/धरती का पालन हार है। धरती की मिट्टी तभी सोना उगलती है जब किसान उस मिट्टी को उपजाऊ बनाता है। अन्न का उत्पादन मिट्टी पर ही आधारित है। जिस प्रकार सृष्टि का संचालन भगवान् विष्णु करते हैं उसी प्रकार किसान मिट्टी के सौंदर्यीकरण के द्वारा सृष्टि का संचालन और कल्याण करता है। सृष्टि का संचालन खाद्यान्न/अन्न द्वारा ही संभव है। अन्न है तो सब धन्य है। अतएव अन्न का धन्यवाद करिये जिससे किसान को प्रेरणा मिले। किसान में हम भगवान् विष्णु के दर्शन कर सकते हैं। भारत देश की मिट्टी सोना है तो भारत का किसान सोनार है। एक अच्छा सोनार ही सोने की प्रमाणिकता को साबित कर सकता है। उसी प्रकार एक किसान अपनी लहलहाती फसलों के द्वारा मिट्टी या धरती के सौंदर्यीकरण की प्रमाणिकता को साबित करता है। तभी तो कहा जाता है मेरे देश की धरती सोना उगले उगले हीरे मोती मेरे देश की धरती। देश में किसान की स्थिति हमेशा से ही चर्चा का विषय बनी रहती है। ख़ास तौर पर राजनितिक दलों के द्वारा चुनाव के समय इस विषय पर काफी जोर दिया जाता है। भारत देश में अधिकांश आय का स्रोत कृषि ही है और किसान इसका अभिन्न अंग है।

देश की आर्थिक व्यवस्था बनाये रखने में किसान की महत्वपूर्ण भूमिका है। किसान इस देश की नींव हैं और जब इस नींव पर संकट आता है तो देश की आधार शिला तक हिल जाती है। इसलिए आज हम सबको किसान और कृषि के स्तर को और भी ज्यादा उठाने में एक साथ आगे आना चाहिए। किसान अन्नदाता है अतएव वह धरतीपुत्र भी कहलाता है। भारत में किसानों के सम्मान व आदर में राष्ट्रीय किसान दिवस 23 दिसंबर को मनाया जाता है। किसान दिवस चौधरी चरण सिंह के जन्मदिन के उपलक्ष में मनाया जाता है। किसान दिवस मनाने की परंपरा वर्ष 2001 से शुरू हुई थी। देश व किसानों के लिए यह दिन बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह कृषि क्षेत्र की नवीनतम सीखों के साथ समाज के किसानों को सशक्त बनाने का विचार देता है। इस दिन आयोजित होने वाले किसान दिवस समारोह लोगों को किसानों के सामने आने वाले विभिन्न मुद्दों के बारे में शिक्षित करने का काम करते हैं। देश के प्रधानमंत्री व किसान नेता चौधरी चरण सिंह ने किसानों की भलाई के लिए सर छोटू राम की विरासत को आगे बढ़ाया था।

उन्होंने 23 दिसंबर 1978 को किसान ट्रस्ट भी बनाया। जिससे देश में किसानों के मुद्दों के बारे में जागरूकता फैलाई जा सके। चौधरी चरण सिंह भारत के पांचवे प्रधानमंत्री थे। चौधरी चरण सिंह ने अपने प्रधानमंत्री काल (जुलाई 1979- जनवरी 1980) में किसानों के हित में अहम् फैसले लिए और कई नीतियां बनाई थी। चौधरी चरण सिंह ने एक बार कहा था कि सच्चा भारत अपने गावों में बसता है। किसान दिवस के दिन शैक्षणिक संस्थानों व किसानों से जुड़े सरकारी विभागों में विभिन्न सम्मान कार्यक्रम वाद-विवाद प्रतियोगिता संगोष्ठियों प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं चर्चाओं कार्यशालाओं और प्रदर्शनियों का आयोजन किया जाता है। भारत में किसानों का योगदान अतुलनीय है जिसे शब्दों में बयान कर पाना किसी भी व्यक्ति के लिए संभव नहीं है। भारत दुनिया में पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था है। अर्थव्यवस्था में कृषि का सबसे अधिक योगदान होता है। किसी भी देश में किसान ना हो तो उस देश के नागरिकों का जीवन खतरे में पड़ जाएगा। भारत आज दुनिया का एक उभरता हुआ कृषि आधारित अर्थव्यवस्था है। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में 10.07 करोड़ परिवार खेती पर निर्भर हैं।

यह संख्या देश के कुल परिवारों का 48 फीसदी है। विश्व में कृषि उत्पादन के क्षेत्र में भारत का चौथा स्थान है। भारत में पर्याप्त मात्रा में खाने की खाद्य सामग्री का उत्पादन होता है। भारत आज तेजी के साथ दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की कतार में है। भारत सरकार को कृषि से जुड़े हुए कामों को और भी ज्यादा प्रोत्साहित करने की जरुरत है।

(चिंतन-मनन)

कठिन काम

एक लड़का महात्मा के पास पहुंचा। लड़का बड़ा शैतान था उसको देखते ही महात्मा ने भांप लिया। इसलिए मनोवैज्ञानिक ढंग से प्रतिबोध देने के लिए महात्मा बोले- बच्चे! तुम तो बड़े तेज दिखाई देते हो। वह अपनी प्रशंसा सुनकर खुश हुआ और कहने लगा - स्कूल में सब लड़के मुझसे डरते हैं। महात्मा- अच्छा तुम सरल काम करना चाहते हो या कठिन? लड़का- मैं कठिन से कठिन काम करना चाहता हूं। महात्मा- तुम्हें कोई गाली दे तो तुम क्या करोगे? लड़का- मुझे कोई एक गाली देगा तो उसको दस गाली सुनाऊंगा। महात्मा- ऐसा करना सरल है या कठिन? लड़का- महात्माजी! यह तो मैं बड़ी आसानी से कर लेता हूं। महात्मा- तुम तो तेज लड़के हो ऍसा सरल काम क्यों करते हो? लड़का कुछ सकुचाता हुआ बोला- अच्छा आज से मैं कठिन काम करूंगा। महात्मा- गाली सहना बहुत कठिन है। गाली सुनकर गाली देने वाले बहुत मिलेंगे पर उस समय खामोश रहने वाले विरले ही होते हैं। लड़का- महात्मा जी! जैसा आपने कहा है मैं वैसा ही कठिन काम करूंगा। लड़का महात्माजी को वचन देकर आगे चला तो उसे एक दोस्त मिला। उसने एक कंकर उस पर फेंका। वह बालक तिलमिला गया। इतने में उसे महात्मा के शब्द याद आ गए। वह शांत खड़ा रहा। सामने वाला बच्चा यह देखकर दंग रह गया। वह बोला- भैया! मैंने अच्छा नहीं किया क्षमा करना। ऐसा सुनकर उसने संकल्प कर लिया कि जीवन की स्वस्थता के लिए वह ऍसे ही काम करेगा।

सेबी ने सिक्योरक्लाउड और उसके निदेशकों पर रोक लगाई

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सिक्योरक्लाउड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (एसटीएल) और उसके तीन निदेशकों को एक से तीन साल के लिए प्रतिभूति बाजार में कारोबार करने पर रोक लगाई है। साथ ही इन पर कुल 10 करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। बाजार नियामक ने यह फैसला कथित रूप से कंपनी द्वारा अपने वित्तीय ब्योरे में गलत जानकारी देने पर लिया है। सेबी के आदेश में कहा गया है कि कंपनी के निदेशक सुरेश वेंकटचारी आर एस रमानी और गुरुमूर्ति जयरामन छह माह से एक साल तक किसी सूचीबद्ध कंपनी या मध्यवर्ती में निदेशक या प्रबंधन स्तर के किसी पद पर नहीं रह सकेंगे। आदेश के अनुसार सेबी ने एसटीएल और वेंकटचारी पर तीन-तीन करोड़ रुपए और रमानी एवं जयरामन पर दो-दो करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। इन लोगों से 45 दिन के भीतर जुर्माना अदा करने को कहा गया है।

एनटीएच मुंबई और कोलकाता में ईवी बैटरी परीक्षण सेवाएं शुरू करेगा

नई दिल्ली । सरकार के राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र (एनटीएच) ने कहा कि वह अगले वित्त वर्ष से अपने मुंबई और कोलकाता केंद्रों में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बैटरी और चार्जिंग प्रणाली के लिए परीक्षण सेवाएं उपलब्ध कराएगा। इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग के बीच एनटीएच ने यह कदम उठाया है। वर्तमान में देश में दो एजेंसियां- मानेसर स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी (आइकेट) और पुणे स्थित ऑटोमैटिक रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) हैं जो ईवी एवं उनकी बैटरी के लिए परीक्षण सेवाएं देती है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वाहनों की मांग बढ़ रही है इसलिए हम भविष्य के लिए अपनी प्रयोगशालाओं को तैयार कर रहे हैं। एनटीएच अगले वित्त वर्ष से अपने कोलकाता मुख्यालय और मुंबई क्षेत्रीय केंद्र में ईवी बैटरी और चार्जिंग प्रणाली के लिए परीक्षण सेवाएं देने की तैयारी कर रहा है।

दिसंबर 2023 में 18000 अंक पर सीमित रह सकता है निफ्टी: यूबीएस

मुंबई । स्विस ब्रोकरेज फर्म यूबीएस सिक्योरिटीज ने शेयरों में परिवारों के निवेश में गिरावट आने विदेशी पूंजी की निकासी जारी रहने और बढ़ती बैंक ब्याज दरों को देखते हुए निफ्टी के लिए अगले साल का लक्ष्य घटाते हुए 18000 कर दिया है। यूबीएस सिक्योरिटीज इंडिया के रणनीतिकार सुनील तिरुमलई ने एक रिपोर्ट में कहा कि दिसंबर 2023 में एनएसई के मानक सूचकांक निफ्टी का स्तर 18000 तक सीमित रह सकता है जो निफ्टी के मौजूदा स्तर से भी चार प्रतिशत नीचे है। निफ्टी सोमवार को 151 अंक की बढ़त के साथ 18452 अंक के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि पिछले सप्ताह के दो आखिरी कारोबारी दिनों में इसमें दो प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई थी।ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि अगले साल दिसंबर में निफ्टी का ऊपरी स्तर 19700 जबकि निचला स्तर 15800 अंक का रह सकता है। इस तरह निफ्टी का आधार 18000 अंक पर रहने का अनुमान है। हालांकि यूबीएस सिक्योरिटीज बीएसई के सूचकांक सेंसेक्स के लिए अपना लक्ष्य नहीं जारी करता है। तिरुमलई ने कहा कि अगले 12 महीनों में बाजार की दिशा पर मूल्यांकन में होने वाले बदलावों का असर पड़ेगा।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।(एजेंसी)

मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को हल्की गिरावट पर बंद हुए। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है हालांकि कारोबार के अंत में हुई लिवाली से इस गिरावट पर काफी हद तक अंकुश लग गया। दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के शेयरों में लिवाली से बाजार काफी कुछ संभला।

दिन भर के कारोबार के बाद बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक 103.90 अंक करीब 0.17 फीसदी टूटकर 61702.29 अंक पर बंद हुआ जबकि कारोबार के दौरान एक समय यह 703.51 अंक तक फिसल गया था पर इसके बाद हुई लिवाली से इस नुकसान का अंतर घटा। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 35.15 अंक तकरीबन 0.19 फीसदी की गिरावट के साथ ही 18385.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से टाटा मोटर्स हिंदुस्तान यूनिलीवर महिंद्रा एंड महिंद्रा लार्सन एंड टुब्रो भारती एयरटेल मारुति सुजुकी एनटीपीसी टेक महिंद्रा बजाज फाइनेंस और टाटा स्टील के शेयरों में गिरावट रही जबकि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज रिलायंस इंडस्ट्रीज अल्ट्राटेक सीमेंट इंडसइंड बैंक एक्सिस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर बढ़त पर बंद हुए। अन्य एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी जापान का निक्की चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान के साथ ही नीचे आये हैं। वहीं यूरोपीय बाजार बाजारों में गिरावट दर्ज की गयी।

गत दिवस अमेरिकी बाजार भी नीचे आये थे। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.65 फीसदी बढ़कर 80.32 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

इस बजट में सस्ती होगी शराब

नई दिल्ली । केंद्र सरकार आगामी बजट में शराब पर लगने वाले टैक्स को घटाने जा रही है? यह संभावना इंटरनेशनल स्पिरिट्स एंड वाइन एसोसिएशन के हवाले से प्राप्त हुई है। एसोसिएशन ने सरकार को प्रीमियम ब्रांड की अल्कोहल उत्पादन पर लगने वाले ज्यादा टेक्स के बारे में चिंता जताई है। एसोसिएशन का कहना है कि एल्कोबेव इंडस्ट्रीज में प्रीमियम ब्रांड पर 67 से 80 फ़ीसदी टैक्स लगता है।जिसके कारण वह अल्कोहल को निर्यात नहीं कर पाते हैं। सरकार अगर टैक्स को कम कर देगी।तो भारत से शराब का निर्यात बहुत तेजी के साथ पड़ोसी देशों में बढ़ेगा। सरकार की आय भी बढ़ेगी। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार केंद्र सरकार इस दिशा में सकारात्मक रूप से विचार कर रही है। भारत दुनिया का नौवा सबसे बड़ा बाजार है। एसोसिएशन के महासचिव सुरेश मेनन ने कहा अगर टेक्स को सरकार कम कर देती है तो भारत से शराब का निर्यात बड़ी तेजी के साथ बढ़ेगा। इससे देश में रोजगार भी बढ़ेगा।

कारों पर सभी कर तर्कसंगत बनाने की जरूरत: भार्गव

नई दिल्ली ।

देश प्रमुख कंपनी मारूति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष आरसी भार्गव ने कहा है कि भारत में विनिर्माण को गति देने और ऑटो उद्योग के तीव्र विकास के लिए यात्री वाहनों पर 50 प्रतिशत कर को तर्कसंगत बनाये जाने की जरूरत है। भार्गव ने यहां कंपनी के वार्षिक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत दुनिया में ऐसा देश है जहां सबसे अधिक कर यात्री वाहनों पर है। अभी 28 प्रतिशत जीएसटी और 22 प्रतिशत अधिभार कुल मिलाकर यह 50 प्रतिशत है जबकि ऑटो उद्योग के बल पर विकसित देश बने जर्मनी जापान और चीन में बहुत कम है। उन्होंने कहा कि 50 प्रतिशत कर वाला उद्योग तेजी से विकास नहीं कर सकता है। भारत अभी भी वाहन उद्योग को समाजवादी विचारधारा से देखा जा रहा है और इसको विलासिता की वस्तु की श्रेणी में रखा गया है। उन्होंने वाहन उद्योग पर सभी तरह के कार को तर्कसंगत बनाये जाने की अपील करते हुए कहा कि पूरी दुनिया की तरह ही भारत में भी वाहनों पर कर लगाए जाने की आवश्यकता है। इस सदी के पहले 10 वर्षों में 2010 तक वाहनों की मांग में दो अंकों की बढोतरी हुई थी लेकिन पिछले 12 वर्षों में यह घटकर तीन प्रतिशत पर आ गई है। जब तक ऑटो उद्योग में कराधान अधिक रहेगा तब तक मांग में तीव्र बढोतरी की उम्मीद नहीं की जा सकती है। उन्होंने छोटी कारों में कम से कम दो एयरबैग और अन्य सुरक्षा मानकों को लागू किए जाने पर कहा कि यह नियम दुर्घटना रोकने में कितना सफल होता है देखना पड़ेगा लेकिन देश में सड़क दुर्घटना होने के बहुत से कारण है। सबसे पहले तो भारत में ड्राइविग लाइसेंस बनवाना सबसे सरल है जबकि दुनिया के अधिकांश देशों में यह बहुत कठित प्रक्रिया है। इसके साथ ही वाहनों के फिटनेस के कारण भी दुर्घटना होती है। इसके साथ ही सड़क और कई अन्य कारण है।

1 जनवरी से बदल जाएंगे बैंकों के नियम नहीं कर सकेंगे मनमानी

नए नियमों के तहक बैंकों को खाली लॉकरों की लिस्ट और वेटिंग लिस्ट दिखानी जरूरी होगी

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

नए साल की शुरुआत होने वाली है। अगर आपका किसी बैंक में लॉकर है या आप लॉकर लेने की योजना बना रहे हैं तो बैंकों के नए नियम को जानना जरूरी है। दरअसल बैंक लॉकर लेकर बनाए गए नियमों में से कई में बदलाव होने जा रहे हैं जो एक जनवरी 2023 से दिखाई देने लगेंगे। आरबीआई की संशोधित अधिसूचना के मुताबिक नए नियम लागू होने के बाद बैंकों की मनमानी पर लगाम लगेगी और साथ ही ग्राहकों को नुकसान की स्थिति में अपनी जिम्मेदारी से मुंह नहीं फेर सकेगा। भारतीय स्टेट बैंक और पंजाब नेशनल बैंक समेत देश के अन्य बैंक अपने ग्राहकों को इन बदलावों की जानकारी दे रहे हैं। ये बैंक अपने ग्राहकों के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एसएमएस के जरिए नए नियमों की जानकारी साझा कर रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से कहा गया है कि नए नियमों के तहक बैंकों को खाली लॉकरों की लिस्ट और वेटिंग लिस्ट दिखानी जरूरी होगी। इसके अलावा बैंकों के पास लॉकर के लिए ग्राहकों से एक बार में ज्यादा से ज्यादा तीन साल का किराया लेने का अधिकार होगा। किसी ग्राहक को नुकसान होने की स्थिति में बैंक की शर्तों का हवाला देकर अब मुकरा नहीं जा सकेगा बल्कि ग्राहक की पूरी भरपाई हो सकेगी। गौरतलब है कि आरबीआई के संशोधित नियमों के मुताबिक बैंकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके द्वारा कराए गए लॉकर एग्रीमेंट में कोई अनुचित शर्त तो शामिल नहीं हैं जिससे ग्राहक को नुकसान होने पर बैंक आसानी से किनारा कर सके। दरअसल आरबीआई ने बैंक ग्राहकों के हितों की सुरक्षा के लिए नियमों में ये बदलाव किया है कि बैंक एग्रीमेंट में दर्शाई गई शर्तों का हवाला देते हुए अपनी जिम्मेदारियों से किनारा कर लेते हैं। लॉकर एग्रीमेंट को आसान शब्दों में समझने के लिए पंजाब नेशनल बैंक के करार को देखते हैं। इसके मुताबिक किसी ग्राहक को लॉकर आवंटित करते समय बैंक उस ग्राहक के साथ एक एग्रीमेंट करता है। इसके तहत जिस ग्राहक को लॉकर दिया जाता है वो विधिवत मुहर लगे कागज पर ये समझौता करता है। दोनों पार्टी द्वारा हस्ताक्षरित लॉकर समझौते की एक प्रति लॉकर को किराए पर लेने वाले जबकि ओरिजनल कॉपी उस बैंक की शाखा के पास रहती है जिसमें दिया गया लॉकर मौजूद होता है। आरबीआई के अनुसार बैंक की लापरवाही के चलते लॉकर में रखी सामग्री के किसी भी नुकसान के मामले में बैंक भुगतान करने के पात्र होंगे।

आरबीआई ने बैंक ऑफ बहरीन पर लगाया 2.66 करोड़ का जुर्माना

- बैंक खाताधारक पहले ही तरह बैंक के साथ अपनी लेनदेन को जारी रख सकेंगे

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने साइबर सिक्योरिटी फ्रेम का पालन नहीं करके के कारण बैंक ऑफ बहरीन एंड कुवैत बीएससी पर 2.66 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। आरबीआई के पास शिकायत पहुंचने के बाद इसकी जांच की गई जिसके बाद बैंक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। इस नोटिस के बाद बैंक के जवाब से असंतुष्ट होने के कारण आरबीआई ने उस पर 2.66 करोड़ रूपए का जुर्माना लगाया। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने कहा कि बैंक डाटाबेस में आंतरिक और बाहरी गतिविधियों का पता गाने की प्रणाली को लागू करने में बैंक फेल रहा है। जिसके कारण बैंक ऑफ बहरीन एंड कुवैत के इंडियन ऑपरेशन पर ये जुर्माना लगाया है। गौरतलब है कि बैंक पर लगाए गए इस भारी भरकम जुर्माने का कोई सीधा असर बैंक के खाताधारकों पर नहीं होगा। बैंक को भेजे गए कारण बताओ नोटिस में आरबीआई ने पूछा कि आखिर इस अनियमितता के लिए उन पर जुर्माना क्यों न लगाया जाए? बैंक के जवाब से असंतुष्ट रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने उन पर 2.66 करड़ रुपए का जुर्माना लगा दिया है।

वहीं रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने इसके अलावा 13 अन्य बैंकों पर फभी जुर्माना लगाया है। इन बैंकों पर 50 हजार से लेकर 4 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया गया है। रेगुलेटरी कंप्लांयस की कमी के कारण इन बैंकों पर पेनेल्टी लगाई गई है। जिन बैंकों पर ये जुर्माना लगाया गया है उसमे बसीन कैथोलिक को ऑपरेटिव बैंक हरीज नासिक सहकारी बैंक हलोल अर्बन कोऑपरेटिव बैंक गुजरात राज्य सहकारी बैंक नासिक सहकारी बैंक श्रीवर्दमान सहकारी बैंक जनता को ऑपरेटिव बैंक दिल्ली स्टेट सहकारी बैंक आंध्र प्रदेश सहकारी बैंक श्रीमहालक्ष्मी को ऑपरेटिव बैंक समेत 13 नाम शामिल है। आपको बता दें कि बैंकों पर लगाए गए जुर्माने से ग्राहकों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। बैंक खाताधारक पहले ही तरह बैंक के साथ अपनी लेनदेन को जारी रख सकेंगे।

पीटीसी इंडिया ने भूटान से किया बिजली आपूर्ति समझौता

नई दिल्ली । बिजली का कारोबार करने वाली कंपनी पीटीसी इंडिया ने भूटान की बिजली कंपनी ड्रुक ग्रीन पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड को सर्दियों के दौरान 600 मेगावॉट बिजली की आपूर्ति के लिए एक समझौता किया है। कंपनी ने कहा कि भूटान ने अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए ड्रुक ग्रीन पावर कॉरपोरेशन के जरिये भारतीय बिजली बाजार से बिजली खरीद का एक करार किया है। इस समझौते के तहत भूटान को 600 मेगावॉट बिजली की आपूर्ति की जाएगी। पीटीसी इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक राजीव के मिश्रा ने कहा कि भूटान को ठंड के दौरान बढ़ी हुई बिजली जरूरतें पूरी करने के लिए यह बिजली खरीद समझौता करना पड़ा है। यह समझौता दक्षिण एशिया में ऊर्जा सुरक्षा के लिए क्षेत्रीय बिजली बाजारों को सशक्त करने के पीटीसी के प्रयासों को आगे बढ़ाता है।

साल 2022 में रहा गौतम अडानी का जलवा एलन मस्क को भी पछाड़ा

मुंबई ।

देश के दिग्गज कारोबारी और अडानी समूह के मालिक गौतम अडानी की बादशाहत कायम है। दुनियाभर के अमीरों की लिस्ट में अडानी भले ही अमेरिकी कारोबारी एलन मस्क से पीछे हो लेकिन बीते एक साल में उन्होंने ट्विटर के सीईओ को पछाड़कर नया मुकाम हासिल किया है। साल 2022 में मस्क की संपत्ति में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। ट्विटर खरीदने के बाद मस्क की नेटवर्थ में लगातार गिरावट आ रही है। एक साल में मस्क ने 114 बिलियन डॉलर की संपत्ति गंवा दी इसके उल्टे भारतीय उद्योगपति अडानी की कमाई में जबरदस्त उछाल आया। साल 2022 के अडानी समूह के चैयरमैन गौतम अडानी के लिए जबरदस्त फायदेमंद साबित हुआ है। साल 2022 में उन्होंने ना केवल दुनिया के तीसरे सबसे अमीर शख्स का जगह हासिल कर ली बल्कि इस साल सबसे ज्यादा कमाने वाले कारोबारी बने हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक अडानी की संपत्ति में इस साल 49 अरब डॉलर से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। साल 2022 में सबसे अधिक कमाई करने वालों की लिस्ट में गौतम अडानी नंबर 1 बन गए हैं। जबकि ट्विटर स्पेसएक्स टेस्ला जैसी कंपनियों के मालिक एलन मस्क इस लिस्ट में सबसे निचले पायदान पर पहुंचे हैं। अरबपतियों की लिस्ट में मस्क टॉप 10 के निचले पायदान पर पहुंच गए हैं। टेस्ला किंग एलन मस्क की संपत्ति में जबरदस्त गिरावट हुई है। साल 2022 में मस्क से 109 अरब डॉलर की संपत्ति गंवा दी। ट्विटर खरीदने के बाद से लगातार उनकी संपत्ति में ये गिरावट दर्ज की जा रही है। मस्क ने एक साल की भीतर टेस्ला के 40 अरब डॉलर के शेयर बेच दिए। मात्र तीन दिन में ही उन्होंने 22 मिलियन शेयर बेच दिए। एलन मस्क की संपत्ति में आई गिरावट के बाद उनके पास कुल 156 अरब डॉलर की संपत्ति रह गई है। हाल ही में उन्होंने दुनिया के सबसे अमीर शख्स का ताज गंवाया। साल 2022 में उनकी कमाई सबसे कम रही है। गुजरात के अहमदाबाद के कारोबारी दुनिया के तीसरे सबसे अमीर शख्स बन गए हैं। 60 साल के अडानी दुनिया के तीसरे सबसे अमीर उद्योगपति हैं। उनसे ऊपर एलन मस्क (156बिलियन) और बर्नार्ड अरनॉल्ट (163 बिलियन) है। साल 2022 में अडानी की संपत्ति में सबसे तेजी से बढ़ोतरी हुई। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक इस साल उन्होंने 49 बिलियन डॉलर की कमाई की और उनकी कुल संपत्ति 125 अरब डॉलर (10.34 लाख करोड़ रुपए) हो गई।

अमेजन ने भारत में रिलीज किया प्राइम गेमिंग

नई दिल्ली। (एजेंसी)

अमेजन ने एक सब्सक्रिप्शन-आधारित सेवा, प्राइम गेमिंग शुरू की है, जो भारत में अपने सदस्यों को कई गेमिंग टाइटल तक पहुंच प्रदान करती है।टेकक्रंच की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी द्वारा दक्षिण एशियाई बाजार में सेवा का परीक्षण शुरू करने के कुछ सप्ताह बाद यह लॉन्च किया गया है। अमेजन प्राइम और वीडियो ग्राहक गेमिंग सेवा का उपयोग कर सकते हैं, जो मुफ्त में इन-गेम लूट के साथ विभिन्न प्रकार के मोबाइल, पीसी और मैक गेम प्रदान करता है। रिपोर्ट के अनुसार, हर महीने ई-कॉमर्स ग्रुप सेवा में कई नए शीर्षक जोड़ेगा। रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में, लीग ऑफ लीजेंड्स, डेथलूप, क्वेक, सीओडी सीजन 1, ईए मैडेन 23, फीफा 23, एपेक्स लीजेंड्स, डेस्टिनी 2 और ब्रदर्स ण्ए टेल ऑफ टू सन्स भारतीय उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध मुफ्त गेम और लूट बॉक्स में से हैं। इस महीने की शुरुआत में, अमेजन ने द गेम अवॉर्डस में ब्लू प्रोटोकॉल नामक एक नया एनीम-शैली व्यापक मल्टीप्लेयर ऑनलाइन (एमएमओ) गेम का खुलासा किया था, जिसे अगले साल की दूसरी छमाही में लॉन्च किया जाना है। द वर्ज की रिपोर्ट के अनुसार, गेम को बन्डई नेमको द्वारा विकसित किया गया है और इसे पीएस5, एक्सबॉक्स सीरीज, एक्सबॉक्स सीरीज एस और पीसी पर रिलीज किया जाएगा। गेम को मल्टीप्लेयर एक्शन रोल-प्लेइंग गेम (आरपीजी) के रूप में वर्णित किया गया है, जो खिलाड़ियों को अलग-अलग भूमिकाएं चुनने और कहानी या मल्टीप्लेयर मोड का आनंद लेने की अनुमति देता है।

कच्चा तेल स्थिर एनसीआर में पेट्रोल-डीजल महंगा

ब्रेंट क्रूड 79.880 और डब्ल्यूटीआई 75.63 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

वैश्विक बाजार में पिछले 24 घंटे के दौरान क्रूड ऑयल की कीमतों में कोई खास बदलाव नहीं आया है और रेट 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे बने हुए हैं। इस बीच सरकारी तेल कंपनियों की ओर से मंगलवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत में एनसीआर के सभी चारों शहरों में उछाल दिख रहा है। नोएडा गाजियाबाद फरीदाबाद और गुरुग्राम में तेल के दाम बढ़ गए हैं। गौतमबुद्ध नगर जिले (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) में पेट्रोल 32 पैसे महंगा होकर 96.92 रुपए लीटर पहुंच गया जबकि डीजल 31 पैसे चढ़कर 90.08 रुपए लीटर बिक रहा है। गाजियाबाद में भी पेट्रोल 32 पैसे चढ़कर 96.58 रुपए लीटर हो गया जबकि डीजल 30 पैसे महंगा होकर 89.75 रुपए प्रति लीटर के भाव बिक रहा है। इसके अलावा फरीदाबाद में पेट्रोल 27 पैसे चढ़कर 97.49 रुपए लीटर और डीजल 26 पैसे बढ़कर 90.35 रुपए लीटर बिक रहा है। गुरुग्राम में भी पेट्रोल 7 पैसे महंगा हुआ और 97.04 रुपए पहुंच गया जबकि डीजल 7 पैसे चढ़कर 89.91 रुपए लीटर बिक रहा है। अगर कच्चे तेल की बात करें तो पिछले 24 घंटे में इसकी कीमतों में खास बदलाव नहीं आया है। ब्रेंट क्रूड कल के भाव से मामूली चढ़कर 79.880 डॉलर प्रति बैरल के भाव रहा। डब्ले यूटीआई भी करीब एक डॉलर बढ़कर 75.63 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर नोएडा में पेट्रोल 96.92 रुपए और डीजल 90.08 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गुरुग्राम में पेट्रोल 97.04 रुपए और डीजल 89.91 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 97.49 रुपए और डीजल 90.35 रुपए प्रति लीटर हो गया है। फरीदाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

रिलायंस कैपिटल रिजॉल्यूशन प्रोसेस को झटका, कॉस्मिया-पीरामल कंसोर्टियम बोली प्रक्रिया से बाहर

मुंबई। (एजेंसी)

रिलायंस कैपिटल लिमिटेड (आरसीएपी) की समाधान प्रक्रिया को एक बड़ा झटका लगा है। कॉसमिया फाइनेंशियल और पीरामल ग्रुप का कंसोर्टियम, जो आरसीएपी संपत्तियों के लिए सबसे अधिक बोली लगाने वाला था, बोली प्रक्रिया से बाहर हो गया है।लेनदारों की समिति (सीओसी) द्वारा अनुमोदित रिलायंस कैपिटल के लिए नियोजित ई-नीलामी बुधवार को होने वाली है और नीलामी की पूर्व संध्या पर उच्चतम बोली लगाने वाले के बाहर निकलने से रिलायंस कैपिटल के ऋणदाताओं को बड़ा झटका लगा है। सूत्रों के अनुसार, कोस्मिया-पिरामल कंसोर्टियम ने समाधान प्रक्रिया से बाहर निकलने का फैसला किया है क्योंकि उसका मानना है कि बोली प्रक्रिया की रूपरेखा में काफी बदलाव किया गया है, जिसमें नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए उच्चतम बोली के अलावा लगभग 1,500 करोड़ रुपये की वृद्धि है।

सीओसी ने नीलामी के लिए फ्लोर वैल्यू 6,500 करोड़ रुपये तय की है, जो कॉस्मिया-पीरामल रेजोल्यूशन प्लान के नेट प्रेजेंट वैल्यू (एनपीवी) से 1,500 करोड़ रुपये ज्यादा है। इसके अलावा, दूसरे और तीसरे दौर के लिए नीलामी प्रक्रिया में भी वृद्धि 1,000 करोड़ रुपये के बहुत ही उच्च स्तर पर निर्धारित की गई है। स्थिति और खराब तब हो गई जब चार राउंड के लिए 500 करोड़ रुपये और बाद के हर राउंड के लिए 250 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए। इसका मतलब यह होगा कि आवश्यक बोलियां क्रमशः कम से कम 7,500 करोड़ रुपये, 8,500 करोड़ रुपये, 9,000 करोड़ रुपये और 9,250 करोड़ रुपये होनी चाहिए।

कंसोर्टियम को लगता है कि यह न केवल अनुचित और मनमाना है, बल्कि अवास्तविक और अव्यवहारिक भी है। बोली लगाने वालों का यह भी मत है कि उच्चतम बोली लगाने वाले की घोषणा न करने और हर दौर के बाद बोली लगाने वालों की रैंकिंग प्रदान नहीं करने की गैर-पारदर्शिता, दूरसंचार क्षेत्र और सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाओं में स्पेक्ट्रम से संबंधित भारत सरकार और राज्य सरकारों द्वारा पूरे देश में आयोजित ई-नीलामी के विपरीत है।

सरकारों द्वारा अपनाई जाने वाली प्रथाओं को दुर्भाग्य से इस मामले में नहीं अपनाया जा रहा है। कॉस्मिया-पीरामल के बाहर निकलने के साथ, अब केवल तीन खिलाड़ी ही दौड़ में बचे हैं, यानी हिंदुजा, टोरेंट और ओकट्री।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सौरभ को दूसरे टेस्ट में भी जगह मिलने की संभावना नहीं

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम मीरपुर में गुरुवार को मेजबान बांग्लादेश के खिलाफ दूसरा टेस्ट मैच खेलेगी। इस मैच में भी युवा स्पिनर सौरभ कुमार को भी शायद ही जगह मिले। इसका कारण है कि पहले मैच में स्पिनर कुलदीप यादव और अक्षर पटेल ने अच्छी गेंदबाजी की थी और ऐसे में टीम इंडिया शायद ही दूसरे मैच के लिए कोई बदलाव करना चाहेगी। कुलदीप ने पहले टेस्ट मैच की दोनो पारियों में कुल मिलाकर 8 विकेट लेने के साथ ही 40 रन भी बनाए थे। वहीं अक्षर पटेल ने भी कुल मिलाकर 5 विकेट लिए थे। सौरभ भी बांए हाथ के स्पिनर हैं पर अक्षर गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी भी करते हैं और ऐसे में उनकी भूमिका ऑलराउंडर की रहती है। सौरभ को हाल में भारत ए की ओर से खेलते हुए बांग्लादेश ए के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में शानदार गेंदबाजी करने के कारण टीम में जगह मिली थी। उन्होंने 2 टेस्ट मैचों में कुल 15 विकेट लिए थे। दूसरे टेस्ट में भारत ए टीम को जीत दिलाने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। सौरभ के इसी प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय दल में जगह मिली थी पर पहले टेस्ट मैच में उनकी जगह अनुभवी कुलदीप को शामिल किया गया था।

स्वदेश पहुंचने पर अर्जेन्टीना की टीम का भव्य स्वागत

ब्यूनस आयर्स । लियोनन मेसी की कप्तानी में कतर में फीफा विश्वकप फुटबॉल जीतकर स्वदेश पहुंची अर्जेन्टीना टीम का भव्य स्वागत हुआ। अर्जेन्टीना की टीम ने एक रोमांचक मुकाबले में फ्रांस को पेनाल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर 36 साल बाद खिताब अपने नाम किया है। जिससे अर्जेन्टीना में जश्न का माहौल है। खिताब के साथ वापस लौटी फुटबॉल टीम के स्वागत और उसकी एक झलक पाने के लिए हजारों लोग सुबह से ही हवाई अड्डे पर पहुंच गये थे। कप्तान मेसी ओर टीम के राजधानी के ठीक बाहर इजेइजा में तड़के तीन बजे विमान से उतरने पर प्रशंसकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान टीम के लिए लाल कालीन भी बिछाया गया था। विमान से सबसे पहले मेसी विश्व कप ट्रॉफी थामे हुए कोच स्केलोनी के साथ उतरे। ये दोनों इसके बाद एक बैनर के करीब से उतरे जिस पर लिखा था 'धन्यवाद चैंपियन्स'। खिलाड़ियों का स्वागत रॉक बैंड ला मोस्का ने गाते हुए किया। यह गाना एक प्रशंसक ने बैंड के एक पुराने गीत की धुन पर लिखा था और कतर में विश्व कप में अर्जेंटीना के प्रशंसकों के लिए टीम का एक लोकप्रिय अनौपचारिक गीत बन गया था। विश्व चैंपियन टीम के सदस्य इसके बाद ऊपर से खुली बस में सवार हुए। वे अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) के मुख्यालय तक की यात्रा करने के लिए सभी का इंतजार कर रहे थे। खिलाड़ियों की एक झलक पाने के लिए बड़ी संख्या में प्रशंसक हाईवे पर जुटे थे और अर्जेन्टीना के ध्वज को लहरा रहे थे जिसके कारण बस काफी धीमी गति से चल रही थी। अधिकारियों ने इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखी। प्रयास किया। हवाई अड्डे से एएफए मुख्यालय तक लगभग 11 किलोमीटर की यात्रा करने में बस को लगभग एक घंटे का समय लगा। यहां आतिशबाजी से खिलाड़ियों का आतिशबाजी के साथ स्वागत किया गया। राष्ट्रपति अल्बर्टो फर्नांडीज ने मंगलवार को राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया है जिसस देश जीत का जश्न मना सके।

स्वदेश पहुंचने पर उपविजेता फ्रांस की टीम का शानदार स्वागत

पेरिस । फीफा विश्वकप फुटबॉल के खिताबी मुकाबले में हार के बाद भी स्वदेश लौटने पर फ्रांस की टीम का भव्य स्वागत हुआ है। टीम के सेंट्रल पेरिस में हजारों समर्थकों ने उनका नायकों जैसा स्वागत किया। स्टार खिलाड़ी काइलियन एमबापे और उनके साथी स्थानीय रात आठ बजे दोहा से चार्ल्स डी गॉल हवाई अड्डे पर उतरे। खिलाड़ी निराश होकर बाहर आ रहे थे पर हवाई अड्डे के कर्मचारियों ने उनका 'थैंक यू और 'पेरिस लव यू जैसे बैनरों से स्वागत किया। टीम हालांकि इस पर ध्यान दिये बिना आगे बढ़ गयी। खिलाड़ी हवाई अड्डे से बसों में सवार होकर प्लेस डे ला कॉनकॉर्ड पहुंचे जहां हजारों समर्थक उनका इंतजार कर रहे थे। समर्थकों के उत्साह को देखकर टीम का भी हौंसला बढ़ा। हैरानी की बात यह है कि टीम का ऐसा स्वागत तब भी नहीं हुआ था जब टीम गत विश्वकप में जीत के बाद स्वदेश लौटी थी। जब खिलाड़ी और कोच डिडिएर डेसचैम्प्स होटल की बालकनी में आए तो समर्थकों ने ध्वज लहराकर उनका स्वागत किया।

फुटबॉल सही मायने में वैश्विक बन रहा है : फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो

दोहा : अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल महासंघ (फीफा) के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने मंगलवार को कहा कि दुनिया भर के फुटबॉल प्रेमियों ने कतर में फीफा विश्व कप 2022 का आनंद लिया और अब यह खेल सही मायने में वैश्विक बन रहा है। इन्फेंटिनो ने कहा, 'इतिहास में पहली बार हर महाद्वीप से टीमें फीफा विश्व कप के नॉकआउट चरण में पहुंची हैं, जिससे प्रतियोगिता का स्तर अविश्वसनीय रूप से ऊंचा रहा है। हम देख सकते हैं कि फुटबॉल वास्तव में वैश्विक होता जा रहा है।' उन्होंने टूर्नामेंट के मेजबान कतर को धन्यवाद देते हुए कहा, 'आपने और यहां के लोगों ने इस खूबसूरत देश में दुनिया का स्वागत करने के लिये जो किया है, वह अविश्वसनीय है। हर किसी ने यहां घर जैसा महसूस किया।' इन्फेंटिनो ने इस विश्व कप को 'अब तक का सर्वश्रेष्ठ' बताते हुए विश्व चैंपियन अर्जेंटीना, उपविजेता फ्रांस, तीसरा स्थान हासिल करने वाली क्रोएशिया और सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली अफ्रीकी टीम मोरक्को को बधाई दी। इन्फेंटिनो ने कहा कि यह टूर्नामेंट दुनिया को एक साथ लाया है। आधुनिक विश्व कप के इतिहास में पहली बार सभी टीमों के प्रशंसक एक ही शहर में स्थित थे, जिसके लिए उन्होंने कतर की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि दुनिया भर के प्रशंसकों ने इस विश्व कप का आनंद लिया है, चाहे वे यहां कतर में रहे हों या घर से इसे अनुभव किया हो। हमने देखा है कि फुटबॉल दुनिया को कैसे एकजुट करता है। कतर और दुनिया भर के 32 देशों के प्रशंसक शांति और खुशी के साथ एक साथ हैं।' इन्फेंटिनो ने कहा, 'टूर्नामेंट ने हमें दिखाया कि सकारात्मक सामाजिक प्रभाव प्राप्त करने के लिए फुटबॉल की लोकप्रियता का उपयोग कैसे किया जा सकता है।

नेशन्स कप जीतकर स्वदेश लौटी भारतीय टीम ने जमकर जश्न मनाया

हॉकी इंडिया दो-दो लाख के इनाम देगी

नई दिल्ली । भारतीय महिला हॉकी टीम वेलेंसिया में एफआईएच महिला नेशन्स कप जीतकर स्वदेश लौटी है। भारतीय टीम ने खिताबी मुकाबले में स्पेन की टीम को 1-0 से हराया था। इसी के साथ ही भारतीय महिला टीम ने 2023-24 प्रो लीग का टिकट हासिल कर लिया है। जीत के साथ लौटी भारतीय टीम के जश्न मनाने का वीडियो भी सामने आया है। इसमें भारतीय टीम ट्रॉफी लिए हुए अपने ही अंदाज में डांस करती हुई दिखी। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर भी आया है। जिसे हॉकी इंडिया ने भी अपने ट्विटर हैंडल पर साझा किया है। नेशन्स कप के फाइनल में भारत की ओर से गुरजीत कौर ने छठे मिनट में ही पेनल्टी कार्नर से गोल कर भारतीय टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद दोनो ही टीमें कोई गोल नहीं कर पायीं ओर इस प्रकार भारतीय टीम ने खिताब अपने नाम किया। वहीं हॉकी इंडिया ने इस जीत पर खुश व्यक्त करते हुए टीम की प्रत्येक खिलाड़ी को 2-2 लाख रुपए नकद इनाम देने की घोषणा की है। इसके साथ ही भारतीय सहायक स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को भी एक लाख रुपए की राशि दी जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

फीफा विश्व रैंकिंग में ब्राजील अब भी शीर्ष पर

विश्वकप विजेता अर्जेंटीना दूसरे और फ्रांस तीसरे स्थान पर

रियो डि जिनेरियो । अर्जेंटीना ने कतर में हुए फीफा विश्वकप 2022 को जीतने के साथ ही तीसरी बार यह खिताब अपने नाम किया है। इसके बाद भी ब्राजील की टीम फीफा विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर बनी हुई है। ब्राजील की टीम फरवरी 2022 से ही फीफा रैंकिंग में नंबर एक स्थान पर बनी हुई है। इससे पहले बेल्जियम की टीम नंबर एक स्थान पर थी। ब्राजील की टीम इस बार क्वार्टर फाइनल में ही बाहर हो गयी थी। ब्राजील ने इस बार विश्वकप में तीन मैच जीते थे पर वह ग्रुप स्तर पर ही कैमरून से हार गयी थी। इसके बाद उसे क्रोएशिया के हाथों क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं अर्जेंटीना की टीम साल 2021 में कोपा अमेरिका खिताब जीतने के बाद से ही अब विश्व चैंपियन बनी है पर यह उसके लिए शीर्ष स्थान पर आने के लिए प्रर्याप्त नहीं था। इसका कारण यह है कि पेनल्टी शूटआउट जीत का मूल्य रेगुलेशन-टाइम जीत की तुलना में कम रैंकिंग अंक है। अगर फ्रांस या अर्जेंटीना 30 मिनट के अतिरिक्त समय सहित 120 मिनट के अंदर जीत जाते तो वे पहले नंबर पर पहुंच जाते। अर्जेंटीना और फ्रांस एक स्थान ऊपर आकर दूसरे और तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं बेल्जियम की विश्वकप में ग्रुप स्तर पर ही बाहर हो गयी थी। वह दो स्थान नीचे आने के साथ ही चौथे स्थान पर फिसल गयी है। इंग्लैंड की टीम क्वार्टर फाइनल में किये प्रदर्शन के आधार पर पांचवें स्थान पर बरकरार है। वहीं क्वार्टरफाइन तक पहुंची नीदरलैंड की टीम दो पायदान नीचे आगर छठे स्थान पर फीसल गयी है। क्रोएशिया फीफा विश्व कप 2022 में तीसरे स्थान पर रही है। वहीं फीफा रैंकिंग में वह सातवें स्थान पर आई है। उसके पांच स्थान का लाभ मिला है और वह शीर्ष 10 में सबसे अहम टीम के रूप में उभरी है। दूसरी ओर क्वॉलिफाई करने में विफल रहने के कारण इटली आठवें स्थान पर खिसक गयी है। पुर्तगाल नौवें स्थान पर बनी हुई है। वहीं स्पेन तीन स्थान नीचे आकर 10वें स्थान पर पहुंच गयी है। पहली बार सेमीफाइनल तक पहुंची मोरक्को को 11 स्थान का लाभ हुआ है और वह और शीर्ष क्रम की अफ्रीकी टीम है। वहीं ऑस्ट्रेलिया भी 11 स्थान ऊपर आयी है। वह 27वें स्थान पर है। गुरुवार को नई रैंकिंग

नई फीफा रैंकिंग में टॉप 20 टीमें:

1 ब्राजील 2 अर्जेंटीना 3 फ्रांस 4 बेल्जियम 5 इंग्लैंड 6 नीदरलैंड 7 क्रोएशिया 8 इटली 9 पुर्तगाल 10 स्पेन 11 मोरक्को 12 स्विट्जरलैंड 13 यूएसए 14 जर्मनी 15 मेक्सिको 16 उरुग्वे 17 कोलंबिया 18 डेनमार्क 19 सेनेगल 20 जापान।

विश्वकप से फीफा को सात अरब से अधिक की कमाई

अनुमान से कम दर्शक पहुंचे

दोहा । विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) ने कतर में हुए विश्व कप तक से भारी कमाई की है। फीफा की सात अरब 50 करोड़ डॉलर की कमाई हुई है जो उम्मीद से अधिक है। फीफा को अब अगले चार साल के वाणिज्यिक चक्र में 11 अरब डॉलर की कमाई की उम्मीद है। इससे फीफा के 211 सदस्य महासंघों को भी लाभ होगा क्योंकि इससे उन्हें भी अधिक धनराशि मिलेगी। यह विश्वकप कई मामनों में विवादों में भी घिरा रहा हालांकि फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने इस विश्वकप को सर्वश्रेष्ठ करार दिया। वहीं एक दक पहले जब कतर को विश्व कप की मेजबानी मिली थी तब उसका जमकर विरोध हुआ था। फीफा की मुख्य भूमिका वैश्विक फुटबॉल के नियमों पर निगरानी रखना और यह तय करना है कि विश्व कप अपने निर्धारित समय के अनुसार आयोजित हो। इसमें वह सफल रहा और उसने अरबों डॉलर की कमाई भी की। खेल शुरू होने के बाद जमकर उलटफेर हुए और ब्राजील जर्मनी और पुर्तगाल जैसी टीमें बाहर हारे गयीं। वहीं मोरक्को ने सबको हैरान करते हुए सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। वहीं फाइनल बेहद रोमांच रहा। अर्जेंटीना और फ्रांस अतिरिक्त समय के बाद 3-3 से बराबरी पर थे और अंत में पेनल्टी शूटआउट में लियोनन मैसी की टीम अर्जेंटीना ने 4-2 से जीत दर्ज की। विश्वकप शुय होने से पहले कतर के खराब मानव अधिकार रिकॉर्ड को लेकर भी सवाल उठे कुछ यूरोपीय टीमों ने इसका विरोध किया पर फीफा के सख्त रुख से यह अधिक देर नहीं टिक पाया। इस विश्वकप में कतर सरकार का जमकर हस्तक्षेप रहा और किसी भी विरोध को उसने दबा दिया। यहां तक विश्वकप में आम तौर पर होने वाले संवाददाता सम्मेलन भी नहीं हुए। इस बार विश्व कप में यूरोप से अधिक दर्शक नहीं आए पर अर्जेंटीना और मोरक्को से उम्मीद से अधिक प्रशंसक यहां पहुंचे। इस टूर्नामेंट से पहले अनुमान लगाया गया था कि एक करोड़ 20 करोड़ पर्यटक विश्वकप के दौरान कतर पहुंचेंगे पर अंत में यह संख्या बेहद कम रही। मोरक्को जब सेमीफाइनल में पहुंचा तो उसके कई प्रशंसकों ने कतर पहुंचने के प्रयास किये जिसे रोकने के लिए कई उड़ानों को रद्द कर दिया गया था। विश्वकप के अन्य मैचों में हालांकि दर्शकों की संख्या कम दिखी तथा कई सीटें खाली पड़ी रहीं। इस बार महंगे आवास के कारण भी दर्शक विश्वकप से दूर रहे। टूर्नामेंट के शुरू में तो खाली सीटों को भरने के लिए प्रतियोगिता के आयोजकों ने कतर के निवासियों को मुफ्त टिकट मुहैया कराई।

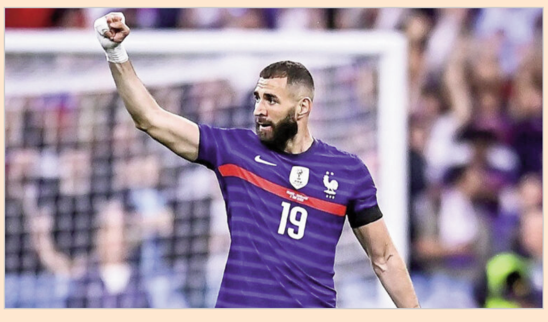

फ्रांस के फारवर्ड बेनजेमा ने संन्यास लिया

पेरिस । फ्रांस के फारवर्ड करीम बेनजेमा फीफा विश्वकप के खिताबी मुकाबले में हार से इतने निराश हुए हैं कि उन्होंने खेल से दूर होने का फैसला किया है। बेनजेमा ने फ्रांस की अर्जेन्टीना के खिलाफ हार के बाद सोशल नेटवर्क पर एक संदेश पोस्ट कर कहा कि वह अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कह रहे हैं। बेलोन डियोर पुरस्कार विजेता बेनजेमा इस बार अभ्यास मुकाबलों में ही मांसपेशियों में खिंचाव के कारण विश्वकप नहीं खेल पाये थे। बेनजेमा ने अब अपने 35वें जन्मदिन पर फ्रांस की शर्ट में अपनी एक तस्वीर के साथ पोस्ट में लिखा ''मैं आज जहां हूं वहां पहुंचने के लिए मैंने प्रयास किया और गलतियां की और मुझे इस पर गर्व है! मैंने अपनी कहानी लिख ली है और हमारी कहानी समाप्त हो रही है।'' रीयाल मैड्रिड की ओर से खेलने वाले स्ट्राइकर बेनजेमा साल 2014 विश्व कप में फ्रांस के शीर्ष स्कोरर था पर साल 2018 विश्व कप में वह शामिल नहीं किये गये थे। तब उन्हें साथी खिलाड़ी मैथ्यू वालबुएना के साथ सेक्स-टेप प्रकरण में रही भूमिका के कारण बाहर कर दिया गया था। उस मामले से बेनजेमा को करियर में नुकसान के साथ ही आलोचना का भी सामना करना पड़ा था। वह अक्टूबर 2015 से लंबे समय तक राष्ट्रीय टीम से बाहर रहे पर पिछले साल मई में कोच दिदिएर डेसचैम्प्स के आने के बाद उनकी टीम में वापसी हुई। बेनजेमा ने वापसी के बाद फ्रांस के लिए 16 मैच में 10 गोल किए और काइलियान एमबोप के साथ शानदार जोड़ी बनाई। पिछले साल की यूरोपीय चैम्पियनशिप में वह चार गोल के साथ फ्रांस के शीर्ष स्कोरर थे।

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच से बाहर हुए रोहित और नवदीप

मुम्बई । बांग्लादेश के खिलाफ मीरपुर में गुरुवार से होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले टीम इंडिया को करारा झटका लगा है। कप्तान रोहित शर्मा के बाद अब तेज गेंदबाज नवदीप सैनी भी इस मैच से बाहर हो गये हैं। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने एक बयान जारी कर कहा रोहित अपने बाएं अंगूठे की चोट के बाद बीसीसीआई मेडिकल टीम की देखरेख में हैं। उन्हें यह चोट बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय के दौरान लगी थी। मेडिकल टीम का मानना है कि उन्हें पूरी तरह से ठीक होने में अभी समय लगेगा। इसी कारण वह अपना रिहैबिलिटेशन जारी रखेंगे और बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे और अंतिम टेस्ट में नहीं खेल पायेंगे। ऐसे में लोकेश राहुल ही भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। वहीं दूसरी ओर नवदीप भी पेट की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। वह अब अपनी चोट को लेकर प्रबंधन के साथ एनसीए को रिपोर्ट करेंगे। नवदीप को पहले टेस्ट मैच के लिए अंतिम ग्यारह में भी जगह नहीं मिली थी।

इंग्लैंड ने पाकिस्तान को टेस्ट सीरीज में 3-0 से हराया

कराची। बेन स्टोक्स की कप्तानी में इंग्लैंड ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम को तीसरे टेस्ट में हराने के साथ ही तीन मैचों की सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया है। इससे पाक टीम के कप्तान बाबर आजम को करारा झटका लगा है। इंग्लैंड ने मंगलवार को पाक को तीसरे टेस्ट में 8 विकेट से हरा दिया। इंग्लैंड ने तीसरा टेस्ट 8 विकेट से जीता। उसे जीत के लिए 167 रन का लक्ष्य मिला था। 111 रन की शतकीय पारी खेलने वाले हैरी ब्रुक को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। उन्होंने सीरीज में 468 रन बनाए और प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार भी उन्हें ही मिला। पाकिस्तान ने पहली पारी में 304 जबकि दूसरी पारी में 216 रन बनाए थे जबकि इंग्लैंड ने पहली पारी में 354 रन बनाकर 50 रन की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की थी। इंग्लैंड ने पहली बार पाकिस्तान में सभी टेस्ट मैच जीते हैं। वहीं पाक को घर में पहली बार लगातार 4 टेस्ट हारने के अलावा क्लीन स्वीप से हार भी मिली। इससे पहले उसे ऑस्ट्रेलिया से भी अंतिम टेस्ट में हार का सामना करना पड़ा था। इस प्रकार आजम ने एक ऐसा खराब रिकॉर्ड अपने नाम किया है जिसे वह भूलना चाहेंगे। पाक की टीम घर में 1955 से टेस्ट क्रिकेट खेल रही है। इस दौरान आजम सहित 26 खिलाड़ी बतौर कप्तान उतरे हैं पर किसी भी बार लगातार दो सीरीज में क्लीन स्वीप नहीं हुआ। इस तरह से आजम ने पिछले 25 कप्तानों की मेहनत बेकार कर दी। पहला टेस्ट 1 दिसंबर से शुरू हुआ था और 20 दिसंबर को उसने सीरीज गंवा दी। यानी 20 दिन में टीम ने घर में 67 साल का खराब रिकॉर्ड बना दिया है।

बीसीसीआई एपेक्स काउंसिल की बैठक में होगा अलग-अलग कोच और कप्तान पर फैसला

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की एपेक्स काउंसिल की बैठक बुधवार को होगी। इसमें भारतीय टीम के लिए अलग-अलग प्रारुप में अलग-अलग कोच रखने को लेकर फैसला होगा। हाल के दिनों में टीम इंडिया का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। टीम को एशिया कप और टी20 विश्वकप में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में मुख्य कोच राहुल द्रविड़ पर भी सवाल उठे हैं। यह भी कहा जा रहा है कि टीम के लिए टी20 प्रारुप में अलग कोच होना चाहिये। बीसीसीआई के नए अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने भी हाल में संकेत दिये थे कि कड़े फैसले लिए जा सकते हैं। एपेक्स काउंसिल की बैठक में द्रविड़ पर काम के बोझ को कम करने पर भी बात होगी। इसके साथ ही टेस्ट एकदिवसीय के साथ ही टी20 प्रारुप में भी अलग कोच बनाया जा सकता है। कई पूर्व खिलाड़ियों ने भी अलग-अलग प्रारुपों में टीम के लिए अलग कप्तान और कोच को रखे जाने की मांग की है। द्रविड़ अभी तीनों ही प्रारुपों में मुख्य कोच ही जिम्मेदारी निभा रहे हैं और ऐसे में उनपर काम का बोझ बढ़ना स्वाभाविक है। इस बैठक में उनपर पड़ने वाले भार को कम करने के साथ ही अलग-अलग प्रारुपों में अलग कप्तान पर भी बात होगी। पिछले कुछ समय में कप्तान रोहित शर्मा का प्रदर्शन नीचे आया है और उनकी कप्तानी में टीम का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में उनकी जगह पर हार्दिक पंड्या को टी20 प्रारुप की कप्तानी सौंपने की मांग की जा रही है। पंड्या के पास न्यूजीलैंड और आयरलैंड के खिलाफ टीम की कप्तानी का अनुभव भी है।

कोरोना महामारी के दौरान बच्चे अपने पाठ्यक्रम में से ऐसी विभिन्न कक्षाओं में दाखिला और भाग ले रहे हैं जो उनके कौशल को बढ़ाने के लिए उनके स्कूल द्वारा प्रदान नहीं किया जा रहा है। यह पैटर्न विभिन्न आयु समूहों में देखा गया है जिसके कारण भारत में ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म की मांग बढ़ रही है।

बच्चों को घर बैठे खेल-खेल में सिखाएं गणित के गुण

कोरोना वायरस महामारी के बाद कई छात्र काफी मानसिक तनाव महसूस कर रहे हैं। इस तनाव को दूर करने के लिए कई छात्र नए-नए हुनर सीख रहे हैं। ऐसे में भारत में ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म की मांग काफी बढ़ गई है। माता-पिता अपने बच्चों को नए कौशल सिखाने के लिए ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म का सहारा ले रहे हैं। ऐसे में अगर आप अपने बच्चे को गणित और सांख्यिकी गणना सिखाना चाहते हैं तो अबेकस ट्रेनिंग क्लास की मदद से आप अपने बच्चों को खेल में गणित पढ़ा सकते हैं।
कोरोना महामारी के दौरान बच्चे अपने पाठ्यक्रम में से ऐसी विभिन्न कक्षाओं में दाखिला और भाग ले रहे हैं जो उनके कौशल को बढ़ाने के लिए उनके स्कूल द्वारा प्रदान नहीं किया जा रहा है। यह पैटर्न विभिन्न आयु समूहों में देखा गया है जिसके कारण भारत में ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म की मांग बढ़ रही है। माता-पिता अलग-अलग ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म ढूंढ रहे हैं जिसके माध्यम से उनके बच्चों को रचनात्मक सीखने के माहौल में पाला जा सकता है। गणित और संख्या कुछ बच्चों के लिए स्वाभाविक रूप से आती है, लेकिन जब गणना की बात आती है तो स्कूल और कॉलेज के छात्रों का एक बड़ा हिस्सा कुछ हद तक संघर्ष करता है। अबेकस, जैसा कि हम सभी जानते हैं, सदियों से मौजूद है और इसे अंकगणितीय कौशल और संख्यात्मक प्रवाह को विकसित करने के लिए दुनिया भर में सबसे अच्छे उपकरणों में से एक माना जाता है।
अबेकस टूल का उपयोग गणितीय कार्यों जैसे जोड़, घटाव, गुणा, वर्ग या घनमूल को करने के लिए किया जाता है। अबेकस का उपयोग दशमलव अंक, ऋणात्मक संख्या और बहुत कुछ गिनने के लिए भी किया जा सकता है। अपने गणना कौशल में सुधार के अलावा, अबेकस सीखने से बच्चे के समग्र विकास में मदद मिल सकती है। अबेकस सीखने के कुछ लाभ इस प्रकार हैं :

- कैलकुलेशन की गति और सटीकता में सुधार करता है
- विश्लेषणात्मक कौशल और तार्किक रीजनिंग का निर्माण करता है
- गणित में रुचि पैदा करता है
- एकाग्रता और अवलोकन शक्ति को बढ़ाता है
- मेमोरी में सुधार करता है
- आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान बनाता है

यहां भारत में पांच ऐसे प्लेटफार्मों के बारे में बताया गया है जो 100 प्रतिशत डिजिटल एबेकस प्रशिक्षण प्रदान करते हैं और युवाओं को भविष्य के रोल मॉडल बनने के लिए प्रेरित करते हैं।

ब्रिटिश यूथ इंटरनेशनल कॉलेज

यूके स्थित प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन अबेकस शिक्षण मंच लॉन्च करने वाली दुनिया की पहली कंपनी है। उनके मंच में पूरी तरह कार्यात्मक वर्चुअल अबेकस है जो बच्चों के समग्र मानसिक विकास के लिए इंटरैक्टिव प्रशिक्षक के नेतृत्व वाली अबेकस शिक्षण पद्धति का उपयोग करता है। ये ऑनलाइन कक्षाएं चरण-दर-चरण अप्रोच प्रदान करती हैं जिसका उद्देश्य छात्रों को अबेकस को ध्यान में रखकर मार्गदर्शन करना और कैलकुलेटर की तुलना में तेजी से संख्या की गणना करना है। शिक्षक प्रत्येक छात्र को गहन शिक्षण प्रदान करते हैं। वे जोड़, घटाव, गुणा, भाग, दशमलव जोड़, दशमलव घटाव, दशमलव गुणा और दशमलव भाग को कवर करते हैं। वे एकमात्र अबेकस कंपनी हैं जो दशमलव आधारित गणना प्रदान करती हैं।

उडेमी

उदमी अबेकस कोर्स का उद्देश्य आपकी गणना, क्षमता, संख्या बोध और मानसिक अंकगणित को बेहतर बनाने में मदद करके मस्तिष्क का विकास करना है। यह पाठ्यक्रम मल्टीमीडिया और एनिमेशन के जरिये आपको सिखाएगा कि अबेकस पर सही और तेज बुनियादी गणित संचालन कैसे करें। इन अबेकस ऑनलाइन कक्षाओं को शुरू करके बच्चे अबेकस पर संख्याएं रखने, हल करने और जोड़ और घटाव को समझने में सक्षम होंगे।

अबेकस सुपरमैथ्स

'सुपरमैथ्स' छात्रों को अबेकस टूल का उपयोग करने के लिए एक दोस्ताना और इंटरैक्टिव मंच प्रदान करता है। उनकी कक्षाएं आपको ऑनलाइन वर्कशीट पर काम करके मानसिक सिद्धांत अवधारणाओं को अभ्यास में लाने की अनुमति देती हैं। यह कोर्स दो ट्रैक में आता है, जूनियर और सीनियर। पहले ट्रैक में 11 स्तर होते हैं जबकि दूसरे वरिष्ठ ट्रैक में 8 स्तर होते हैं। प्रत्येक स्तर के अंत में एक ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की जाती है जिसके बाद छात्र को अगले स्तर पर पदोन्नत किया जाता है। वे प्रशिक्षक के नेतृत्व में आवेदन आधारित वीडियो कक्षाओं के माध्यम से पढ़ाते हैं।

अबेकस मास्टर

अबेकस मास्टर ने अबेकस को अधिक रोचक और मनोरंजक बनाने के लिए अनूठी विशेषताओं के साथ एक व्यापक शिक्षण मंच बनाया है। यह ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म 5-12 वर्ष की आयु के बीच के छात्रों को अबेकस प्रशिक्षण प्रदान करता है। इसमें आठ स्तर शामिल होते हैं जो बुनियादी से लेकर उन्नत अबेकस गणनाओं तक सभी विषयों को कवर करते हैं। छात्र इस पाठ्यक्रम को अपनी गति के हिसाब से ले सकते हैं; हालाँकि, पोर्टल पूरी तरह से आश्वस्त होने के लिए प्रत्येक स्तर पर कम से कम दो महीने बिताने का सुझाव देता है। उनकी कक्षाएं एनिमेशन, अंजान वीडियो और प्रैक्टिस वर्कशीट की मदद से दी जाती हैं।

स्मार्ट किड अबेकस

स्मार्ट किड की 'अबेकस फ्रेंचाइजी' बच्चों के लिए अबेकस ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करती है। ये कक्षाएं सप्ताह में एक बार 45 मिनट के लिए आयोजित की जाती हैं। समय में कोई पाबन्दी नहीं है और छात्र कई प्रकार के पाठ्यक्रमों में से चुन सकते हैं। यह आठ स्तरीय पाठ्यक्रम है जिसमें 5 बुनियादी और 3 अग्रिम स्तर हैं। पाठ्यक्रम 4-14 वर्ष आयु वर्ग के छात्रों के लिए डिजाइन किए गए हैं और ये पाठ्यक्रम कौशल के विकास के साथ-साथ संपूर्ण मस्तिष्क विकास को बढ़ावा देते हैं।

वैकल्पिक चिकित्सा में कॅरियर बनाना चाहते हैं तो चुनें मैग्नेटिक थेरेपी

एक मैग्नेटो चिकित्सक को मैग्नेटोमीटर के सही उपयोग के बारे में पता होना चाहिए, जो एक चुंबक के ध्रुवों को निर्धारित करता है। इसके अलावा आपको चुंबकीय चिकित्सा में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरणों की भी सही जानकारी होनी चाहिए।
मैग्नेटिक थेरेपी, जिसे मैग्नेट थेरेपी या मैग्नो थेरेपी भी कहा जाता है, वास्तव में एक वैकल्पिक चिकित्सा उपचार है, जिसमें विभिन्न रोगों के उपचार के लिए चुंबक का इस्तेमाल किया जाता है। यह एक बेहद सिंपल, इफेक्टिव, सुरक्षित व पूरी तरह से दर्दरहित प्राकृतिक उपचार है। चुंबकीय चिकित्सा को एक विज्ञान के साथ-साथ एक कला के रूप में माना जाता है, क्योंकि इसमें मानव के विभिन्न अंगो, रोगों को जानने के साथ-साथ व मैग्नेट के उचित उपयोग को जानना भी उतना ही जरूरी है। विज्ञान में, चुंबकीय चिकित्सा एक्यूपंक्चर के समान है। वहीं कला में, इसमें विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए शरीर के विभिन्न हिस्सों पर विभिन्न आकारों और शक्तियों के मैग्नेट का इस्तेमाल किया जाता है। यह एक बेहद डिफरेंट चिकित्सा थेरेपी है। तो चलिए जानते हैं कि इस क्षेत्र में कैसे बनाएं कॅरियर-

स्किल्स

एक मैग्नेटो चिकित्सक को मैग्नेटोमीटर के सही उपयोग के बारे में पता होना चाहिए, जो एक चुंबक के ध्रुवों को निर्धारित करता है। इसके अलावा आपको चुंबकीय चिकित्सा में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरणों की भी सही जानकारी होनी चाहिए। इसके अलावा उन्हें मानव शरीर व उसके महत्वपूर्ण अंगों की रचना व उसके विज्ञान के बारे में भी पता होना चाहिए।

शैक्षणिक योग्यता

भारत में केवल कुछ ही संस्थान मैग्नेट थैरेपी पाठ्यक्रमों की पेशकश कर रहे हैं। मैग्नेट थेरेपी में सर्टिफिकेट, डिग्री और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए न्यूनतम योग्यता 10 2 है और पीजी पाठ्यक्रमों के लिए स्नातक होना आवश्यक है। डिप्लोमा कोर्स की अवधि 1 वर्ष की है और स्नातक और स्नातकोत्तर डिप्लोमा कोर्स 2 वर्ष का है। कुछ संस्थान शार्ट टर्म डिप्लोमा और मास्टर डिप्लोमा कोर्स भी करवाते हैं, जिनकी अवधि एक से तीन महीने की होती है।
एक मैग्नेटिक थेरेपिस्ट प्राइवेट व पब्लिक हॉस्पिटल, नेचुरोपैथी हॉस्पिटल या वैकल्पिक उपचार चिकित्सा केन्द्रों में काम कर सकते हैं। इसके अलावा मैग्नेटिक थेरेपिस्ट इंडिपेंडेंट प्रैक्टिस भी कर सकते हैं। इतना ही नहीं, वह उपचार के लिए मैग्नेटिक ज्वैलरी, ब्रेसलेट व अन्य उत्पादों को भी बेच सकते हैं।
एक मैग्नेटिक थेरेपिस्ट की आय असीमित है। उनकी आय उनके चिकित्सीय कौशल पर निर्भर करती है। सेल्फ इंपलायड मैग्नेटिक थेरेपिस्ट घंटे के हिसाब से चार्ज करते हैं। उनका एक सेशन करीबन 20 से 30 मिनट का होता है।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन, कोलकाता
- एक्यूप्रेशर रिसर्च, टेनिंग व टीटमेंट इंस्टीट्यूट, जोधपुर
- ऑल इंडिया पैरा मेडिकल टेक्नोलॉजी एंड अल्टरनेटिव मेडिकल काउंसिल, लुधियाना
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरोपैथी, पुणे
- कॉलेज ऑफ क्लिनकिल मैग्नेटोलॉजी और प्राण हीलिंग कॉलेज, त्रिशूर
- इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च, कोलकाता
- इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च, बैंगलोर
- महेन्द्र इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन, जयपुर

एक्वापॉनिक्स फार्मिंग में है बेहतर भविष्य

क्वापोनिक्स दो शब्दों से मिलकर बना है। पहला एक्वाकल्चर जिसमें मछली पालन होता है और दूसरा हाइड्रोपोनिक जिसमें पानी पर खेती होती है। एक्वापोनिक्स में एक ही पारिस्थितिकी तंत्र में मछलियाँ और पौधे एक साथ उगाए जा सकते हैं। इसमें परंपरागत खेती की तुलना में लगभग 90 प्रतिशत तक पानी की बचत होती है।

आज के समय में एग्रीटेक स्टार्टअप बहुत तेजी से विकसित हो रहा है। एक्वापोनिक्स दो शब्दों से मिलकर बना है। पहला एक्वाकल्चर जिसमें मछली पालन होता है और दूसरा हाइड्रोपोनिक जिसमें पानी पर खेती होती है। एक्वापोनिक्स में एक ही पारिस्थितिकी तंत्र में मछलियाँ और पौधे एक साथ उगाए जा सकते हैं। इसमें परंपरागत खेती की तुलना में लगभग 90 प्रतिशत तक पानी की बचत होती है जबकि इसमें पौधे दोगुनी रफ्तार से बढ़ते हैं। एक्वापॉनिक्स में एक फिश टैंक में मछली पालन किया जाता है और दूसरी तरफ पानी पर हाइड्रोपोनिक खेती का सिस्टम बनाया जाता है। फिश टैंक में मछलियां फीड खाने के बाद करीब 70 फीसदी तक मल निकालती हैं जिसमें अमोनिया होता है। इसके बाद फिश टैंक से अमोनिया वाले पानी को हाइड्रोपोनिक खेती के लिए इस्तेमाल किया जाता है। जब ये पानी पौधों की जड़ों तक पहुंचता है तो वहां मौजूद बैक्टीरिया इसे नाइट्रोजन में तोड़ देते हैं। यह पौधों के विकास के लिए बहुत ही अहम होता है। इसके बाद पानी को फिर से प्यूरिफाई किया जाता है और दोबारा मछलियों के टैंक में डाला जाता है। इस तरह एक ही पानी बार-बार इस्तेमाल होता रहता है और पानी की बचत होती है।
एक्वापोनिक फार्मिंग सेटअप तैयार करने में कितनी लागत आएगी यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप बड़ा सेटअप तैयार करना चाहते हैं या छोटा। उदाहरण के लिए अगर आप एक एकड़ जमीन पर एक्वापोनिक फार्मिंग करते हैं तो आपका करीब 3 करोड़ रूपए तक का खर्चा आ सकता है। इसके साथ ही अगर आप मुनाफा चाहते हैं तो आपको अच्छी क्वालिटी वाली चीजें इस्तेमाल करनी होंगी। एक्वापोनिक खेती से हुई पैदावार पूरी तरह ऑर्गेनिक होती है इसलिए आप इसके लिए सामान्य की तुलना में दो से तीन गुना कीमत कमा सकते हैं। हालाँकि, आपको पैदावार से पहले ही उसे बेचने की तैयारी कर लेनी होगी वरना आपको भारी नुकसान हो सकता है। इसके लिए आप बड़े-बड़े रिटेल स्टोर, रेस्टोरेंट और फाइव स्टार होटलों से कॉन्ट्रैक्ट कर सकते हैं।

फ्लाइट में यात्रियों की मेहमान नवाजी कर कमाएं हजारों

केबिन क्रू की जिम्मेदारी फ्लाइट में आने वाले यात्रियों की सुरक्षा का ध्यान रखना, उनकी जरूरतों को पूरा करना और यात्रियों को फ्लाइट के नियम समझाना होता है। बहुत से लोग केबिन क्रू बनना चाहते हैं लेकिन उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं होती है कि केबिन क्रू कैसे बनें।

केबिन क्रू का मतलब होता है केबिन के कर्मचारी। किसी भी फ्लाइट में जहाँ यात्री बैठते हैं, उसे केबिन कहते हैं। फ्लाइट में यात्रियों की सेवा और सुरक्षा के लिए जो टीम होती है, उसे केबिन क्रू कहते हैं। केबिन क्रू की जिम्मेदारी फ्लाइट में आने वाले यात्रियों की सुरक्षा का ध्यान रखना, उनकी जरूरतों को पूरा करना और यात्रियों को फ्लाइट के नियम समझाना होता है। बहुत से लोग केबिन क्रू बनना चाहते हैं लेकिन उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं होती है कि केबिन क्रू कैसे बनें। आज के इस लेख में हम आपको केबिन क्रू बनने के लिए जरूरी योग्यता, प्रक्रिया और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी देंगे

योग्यता

- उम्मीदवार को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से बारहवीं कक्षा में साइंस, कॉमर्स या आर्ट्स किसी भी स्ट्रीम में पास होना चाहिए। या किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी अगर आपने किसी भी सब्जेक्ट में स्नातक की हो तो आप केबिन क्रू की जॉब के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- आवेदक की ऊंचाई 157 से 170 सेंटीमीटर के बीच होनी चाहिए।
- आवेदक की आयु 17 से 26 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

जरूरी कौशल

- केबिन क्रू बनने के लिए अच्छी कम्युनिकेशन स्किल होनी चाहिए।
- केबिन क्रू बनने के लिए दूसरों के साथ अच्छी तरह से बातचीत करने का ढंग होना चाहिए।
- आपके शरीर पर किसी प्रकार का टैटू नहीं होना चाहिए।
- आपकी अंग्रेजी एवं हिंदी भाषा पर अच्छी पकड़ होनी चाहिए।
- केबिन क्रू बनने के लिए अच्छी पर्सनालिटी और गुड लुक्स भी जरुरी होते हैं।

कोर्सेज

- डिप्लोमा इन केबिन क्रू एंड हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन एयरलाइन एंड ट्रेवल मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन एविएशन एंड हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट
- डिप्लोमा इन एयरलाइन केबिन क्रू
- सर्टिफिकेट कोर्स इन एयर हॉस्टेस

केबिन क्रू कैसे बनें

- एयरलाइन कंपनियां समय-समय पर केबिन क्रू की भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी करती हैं।
- केबिन क्रू का एप्लीकेशन फॉर्म भरने के बाद आवेदक को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है।
- इंटरव्यू क्लियर करने के बाद आवेदक की शारीरिक जाँच और मेडिकल टेस्ट होता है।
- मेडिकल टेस्ट क्लियर करने के बाद ग्रुप डिस्कशन होता है।
- इन सभी टेस्ट्स को पास करने वाले उम्मीदवारों का चयन केबिन क्रू के लिए होता है।

सैलरी

शुरुआत में बतौर केबिन क्रू आपकी सैलरी प्रतिमाह 30,000 रूपये से 50,000 रूपये तक हो सकती है। हालंकि, समय के साथ अनुभव होने पर सैलरी बढ़कर 70 हजार रूपये से 1 लाख रूपये प्रतिमाह तक हो सकती है।

सिंगापुर का ग्लोबल स्कूल फाउंडेशन भारत के शिक्षा क्षेत्र में 55 करोड़ डॉलर का निवेश करेगा

सिंगापुर। सिंगापुर स्थित भारतीय मूल के ग्लोबल स्कूल फाउंडेशन (जीएसएफ) ने भारत के स्कूली शिक्षा क्षेत्र में 2026 तक 55 करोड़ डॉलर से अधिक का निवेश करने की योजना बनाई है। जीएसएफ की पहले से ही बेंगलुरु, पुणे, अहमदाबाद और नोएडा में उपस्थिति है। कोविड-महामारी के बाद स्थानीय समुदायों द्वारा दाखिले के लिए मांग में भारी बढ़ोतरी देखी गई है। परिवारों के एक से दूसरे शहर जाने और दूसरे देशों से स्वदेश लौटने के बीच मांग में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। जीएसएफ के कार्यकारी चेयरमैन और सह-संस्थापक अतुल तेमुर्निकर ने बयान में कहा, ''यह जरूरी है कि जीएसएफ अपने नेटवर्क में ऐसे छात्रों को बिना किसी व्यवधान के गारंटी के साथ प्रवेश दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाए।'' उन्होंने कहा, ''जीएसएफ की वैश्विक विस्तार की योजना के तहत भारत को अपने रणनीतिक बाजारों में से एक बनाने की है। इसके अलावा वर्ष 2026 तक भारत के स्कूल शिक्षा क्षेत्र में 55 करोड़ डॉलर से अधिक का निवेश करने की योजना है।

साझेदारी को और गहन बनाने के लिए चीन और रूस की नौसेनाएं करेंगी युद्धाभ्यास

बीजिंग। चीन का कहना है कि बुधवार को रूसी नौसेना के साथ होने वाले दोनों देशों के अभ्यास का उद्देश्य सहयोग को और गहनता प्रदान करना है जिनके अनौपचारिक पश्चिम विरोधी गठबंधन ने यूक्रेन पर मास्को के हमले के बाद ताकत हासिल की है। सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की सैन्य शाखा पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के तहत चीन के ईस्टर्न थिएटर कमांड द्वारा सोमवार को पोस्ट किए गए एक संक्षिप्त नोटिस के अनुसार अभ्यास अगले मंगलवार तक शंघाई के दक्षिण में झेजियांग प्रांत के तट पर चलेगा। नोटिस में कहा गया है कि यह संयुक्त अभ्यास समुद्री सुरक्षा खतरों का मिलकर जवाब देने के लिए दोनों पक्षों के दृढ़ संकल्प और क्षमता का प्रदर्शन करने के लिए निर्देशित है और चीन-रूस में नए युग की व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करता है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि वारयाग मिसाइल क्रूजर मार्शल शापोशनिकोव विध्वंसक और रूस के प्रशांत बेड़े के दो जंगी जहाज युद्धाभ्यास में हिस्सा लेंगे। मंत्रालय ने कहा कि चीनी नौसेना के अभ्यास के लिए कई युद्धपोतों और एक पनडुब्बी को तैनात करने की योजना बनाई है। दोनों पक्षों के विमान भी इसमें भाग लेंगे। चीनी पक्ष की तरफ से यह फिलहाल नहीं बताया गया है कि उसकी तरफ से युद्धाभ्यास में कौन सी इकाइयां शामिल होंगी। दशकों के आपसी अविश्वास से आगे बढ़ते हुए चीन और रूस ने अमेरिका के नेतृत्व वाली उदार पश्चिमी राजनीतिक व्यवस्था का विरोध करने के लिए विदेश नीतियों में तालमेल के हिस्से के रूप में इस तरह की कवायद तेज कर दी है। चीन ने संयुक्त राष्ट्र में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण की आलोचना करने या यहां तक कि इसका उल्लेख करने से भी इनकार कर दिया। उसने हालांकि मास्को के खिलाफ पश्चिमी प्रतिबंधों की निंदा की है और वाशिंगटन और नाटो पर व्लादिमीर पुतिन को कार्रवाई के लिए उकसाने का आरोप लगाया है।

किम की बहन ने खुफिया उपग्रह पर संदेह वाले आकलन को दुर्भावनाप्रेरित व कुत्तों के भौंकने के बराबर बताया

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन की बहन किम यो जोंग ने उस आकलन को दुर्भावनापूर्ण अपमान और कुत्तों के भौंकने के बराबर बताते हुए खारिज कर दिया जिसमें देश के जासूसी उपग्रह व अन्य सैन्य क्षमताओं पर संदेह व्यक्त किया गया था। उत्तर कोरिया ने कहा था कि उसने अपने पहले खुफिया उपग्रह के निर्माण के लिए रविवार को महत्वपूर्ण अंतिम चरण के परीक्षण किए। उत्तर कोरिया की आधिकारिक मीडिया ने दो 'कम रेज़ोल्यूशन' वाली श्वेत-श्याम तस्वीरें भी जारी की थीं जिसमें अंतरिक्ष से दक्षिण कोरियाई राजधानी और सियोल के पश्चिम में स्थित शहर इंचियोन नजर आ रहा है। सरकारी मीडिया ने वर्कर्स पार्टी की वरिष्ठ अधिकारी किम यो जोंग के हवाले से एक खबर में कहा क्या उन्हें नहीं लगता कि उनका आकलन बेहद अनुचित व लापरवाही भरा है। उन्होंने हमारे समाचार पत्र द्वारा जारी केवल दो तस्वीरों के आधार पर हमारे उपग्रह की विकास क्षमताओं और उससे जुड़ी तैयारियों पर टिप्पणी की है। उन्होंने उपग्रह की तस्वीरों पर दक्षिण कोरिया के विशेषज्ञों की टिप्पणी को बकवास दुर्भावना से किया जाने वाले अपमान और कुत्तों के भौंकने के बराबर बताया। किम यो जोंग ने कहा कि उपग्रह के परीक्षण के दौरान एक आम कैमरे का इस्तेमाल इसलिए किया गया क्योंकि एक बार के परीक्षण के लिए महंगे उच्च-रेज़ोल्यूशन वाले कैमरे का इस्तेमाल करने का कोई मतलब नहीं बनता। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया ने अंतरिक्ष प्रक्षेपण वाहनों के रूप में दो पुरानी मिसाइलों का इस्तेमाल किया। किम यो जोंग ने कहा अगर हमें एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) का प्रक्षेपण करना होगा तो हम करेंगे। हम लंबी दूरी की मिसाइल परीक्षण को छुपाने के लिए उपग्रह का इस्तेमाल नहीं करते जैसा कि दक्षिण कोरियाई आम राय को प्रभावित करने के लिए दावा कर रहे है। उन्होंने दक्षिण कोरियाई सरकार के उस आकलन को भी खारिज कर दिया कि उत्तर कोरिया के पास अमेरिका की मुख्य भूमि को निशाना बनाने में सक्षम आईसीबीएम का इस्तेमाल करने के लिए अब भी पर्याप्त प्रौद्योगिकी नहीं है। किम यो जोंग ने कहा मुझे लगता है कि उनके लिए बेहतर यही है कि वह बकवास करना बंद करें सावधानी बरतें और कुछ भी करने से पहले दो बार उस पर विचार करें। गौरतलब है कि एक खुफिया उपग्रह का विकास उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है।

समिति ने ट्रंप के खिलाफ आपराधिक आरोप लगाने का किया आग्रह

– समिति ने पूर्व राष्ट्रपति की जवाबदेही तय करने का आग्रह भी किया

वाशिंगटन। अमेरिकी संसद परिसर (कैपिटल हिल) में 2021 में हुए हमले की जांच कर रही 'हाउस जनवरी 6 समिति' ने न्याय मंत्रालय से पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ आपराधिक आरोप लगाने का आग्रह किया। समिति ने पूर्व राष्ट्रपति की जवाबदेही तय करने का आग्रह भी किया। कांग्रेस के इतिहास में अभी तक की सबसे गहन जांच के बाद समिति ने ट्रंप और उनके सहयोगियों के खिलाफ आपराधिक आरोपों की सिफारिश की। समिति में सात डेमोक्रेट और दो रिपब्लिकन सांसद शामिल हैं। समिति ने अपनी अंतिम रिपोर्ट का एक लंबा सारांश भी जारी किया जिसमें निष्कर्ष निकाला गया कि ट्रंप ने चुनाव के नतीजे पलटने के लिए व्यापक स्तर पर साजिश रची। गौरतलब है कि ट्रंप ने तीन नवंबर 2020 को हुए राष्ट्रपति चुनाव में हार स्वीकार नहीं की थी और उन्होंने चुनाव में धोखाधड़ी के आरोप लगाए थे। ट्रंप के इन आरोपों के बीच उनके समर्थकों ने छह जनवरी को संसद भवन परिसर में कथित तौर पर हिंसा की थी। समिति ने जिन चार आरोपों के तहत ट्रंप के खिलाफ मुकदमा चलाने का आग्रह किया है वे आधिकारिक कार्यवाही में बाधा डालना अमेरिका को धोखा देने की साजिश रचना झूठे बयान देना और किसी विद्रोह को भड़काना या उसमें मदद करना है। हालांकि समिति के सुझावों को लेकर न्याय मंत्रालय पर कानूनी कार्यवाही का कोई दबाव नहीं है क्योंकि संघीय अभियोजक पहले से ही अपनी जांच कर रहे हैं और वे ही ट्रंप के खिलाफ मुकदमा चलाने को लेकर अंतिम फैसला लेंगे।

दास व्यापार में नीदरलैंड की भूमिका के लिए डच नेता ने मांगी माफी

नीदरलैंड के प्रधानमंत्री मार्क रुटे ने गुलामी और दास व्यापार में नीदरलैंड की ऐतिहासिक भूमिका के लिए अपनी सरकार की ओर से सोमवार को माफी मांगी। गुलामी और दास व्यापार को लेकर नीदरलैंड की ओर से लंबे समय से प्रतीक्षित बयान में विलंब करने की मांग के बावजूद मार्क रुटे ने यह बयान दिया। रुटे ने 20 मिनट के अपने भाषण में कहा, ''आज मैं माफी मांगता हूं।'' राष्ट्रीय अभिलेखागार में आमंत्रित दर्शकों की ओर से उनका मौन स्वागत किया गया। रुटे ने माफी के साथ अपनी बात आगे बढ़ाई। हालांकि कुछ कार्यकर्ता समूहों ने देश में दासता के उन्मूलन की अगले साल एक जुलाई को आने वाली सालगिरह तक इंतजार करने का उनसे आग्रह किया था। प्रधानमंत्री के भाषण को रोकने के लिए कुछ लोग पिछले सप्ताह अदालत भी गए थे, लेकिन वे इसमें असफल रहे थे।

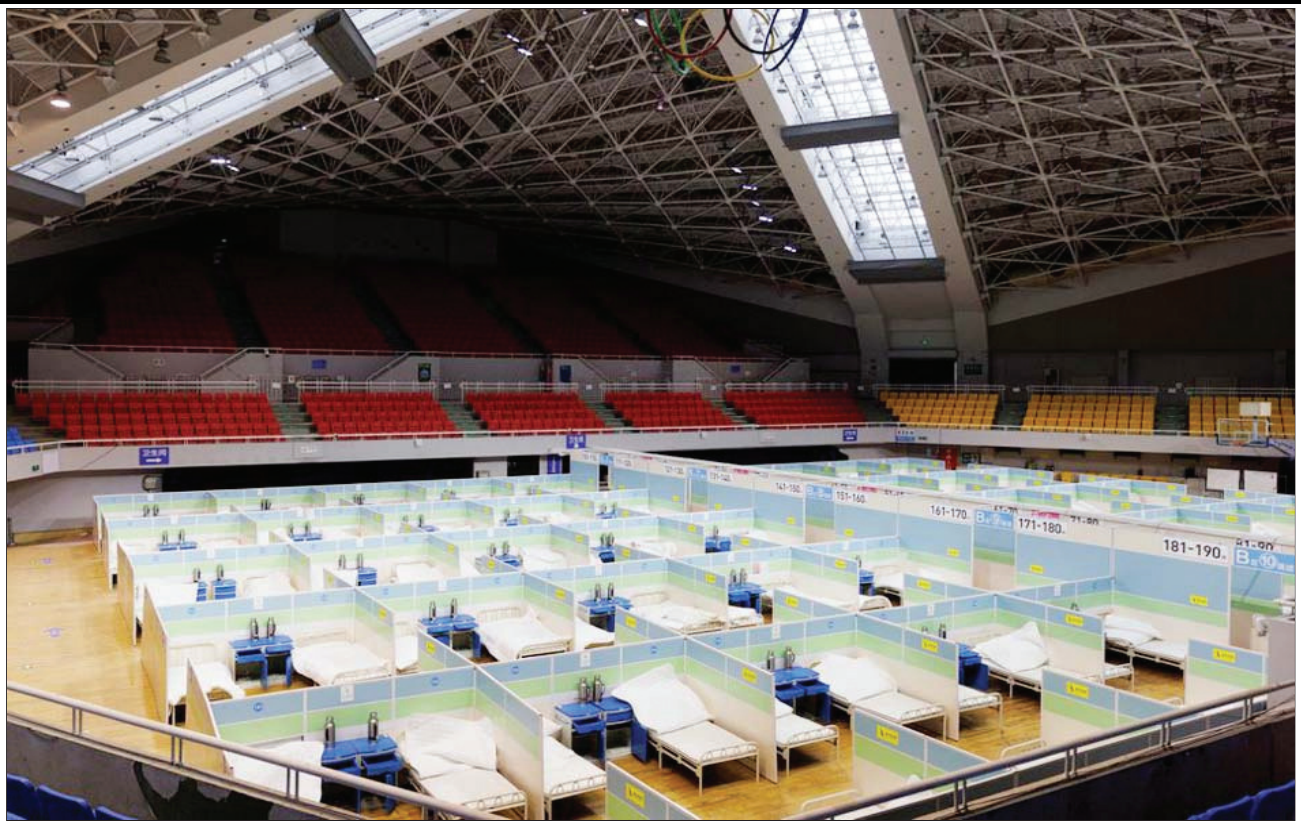

बीजिंग में कोरोना वायरस संक्रमण के बाद एक फीवर क्लीनिक में मरीजों के लिए रखे बेड।

चीन ने बिना किसी तैयारी दे दी ढील एक आदमी 16 लोगों को कर रहा कोरोना से संक्रमित

बीजिंग। चीन ने जीरो कोविड नीति में बिना किसी तैयारी के ढील दे दी है। इसके दुष्परिणाम देखने को मिल रहे हैं। चीन में कोरोना वायरस के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। स्थिति इतनी खराब हो गई है कि चीन के अस्पतालों में बेड खाली नहीं बचे हैं। छोटे-छोटे क्लीनिक पर भी भीड़ बढ़ गई है। चीन में कोरोना के ओमिक्रॉन वेरिएंट ने तबाही मचा रखी है। संक्रमण फैलने की रफ्तार इतनी तेज है कि 1 शख्स 16 लोगों को संक्रमित कर रहा है। विशेषज्ञ इससे बचने के लिए कोविड गाइडलाइन्स मानने की सलाह दे रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन में कोरोना वायरस के कारण मार्च तक 10 लाख लोगों की मौत हो सकती है। चीन में दी गई ढील के बाद कोरोना बड़े शहरों से ग्रामीण इलाकों में भी फैल गया है जिसके बाद लोग घरों से बाहर नहीं निकल रहे हैं। इस बीच सोमवार को दक्षिण-पश्चिमी चीन में चोंगकिंग में प्रशासन ने अजीबोगरीब तरीके से हल्के कोरोना लक्षण या बिना लक्षण वाले मरीजों को काम करने को कहा। इससे पहले पूर्वी प्रांत झेजियांग ने कहा था कि बिना लक्षण वाले कोरोना मरीज जरूरत पड़ने पर काम पर लौट सकते हैं। कई कोरोना संक्रमित स्वास्थ्यकर्मी भी काम पर लौट आए हैं। चीन कोरोना वायरस के मामलों को छिपा रहा है। अनिवार्य कोरोना टेस्टिंग खत्म करने के बाद चीन ने संक्रमितों का डेटा जारी करना बंद कर दिया है जिसके कारण सही आंकड़े नहीं पता। अधिकारियों का कहना है कि बिना टेस्टिंग के असिंप्टोमैटिक मरीजों का पता नहीं लगाया जा सकता इसलिए डेटा जारी नहीं किया जा रहा।

इमरान खान ने कहा कि मैं अपने कार्यकाल के दौरान भारत के साथ संबंध सुधारना चाहता था

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सोमवार को कहा कि वह अपने कार्यकाल के दौरान भारत के साथ तनावपूर्ण संबंध सुधारना चाहते थे, लेकिन कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करना इसमें 'बाधक' बन गया। क्रिकेटर से नेता बने 70 वर्षीय खान ने यह भी कहा कि तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा का भारत के साथ बेहतर संबंध रखने को लेकर और भी अधिक झुकाव था। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के अध्यक्ष खान ने कहा, ''मैं अपने साढ़े तीन साल के कार्यकाल के दौरान भारत के साथ संबंध सुधारना चाहता था, लेकिन आरएसएस की विचारधारा और (जम्मू कश्मीर के) विशेष दर्जे को खत्म करना इसमें बाधक बन गया।''

खान ने यह बात यहां जमां पार्क स्थित अपने आवास पर विदेशी पत्रकारों के एक समूह से बातचीत के दौरान कही। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत द्वारा 2019 में कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने के बाद उनकी सरकार ने बातचीत पर जोर नहीं दिया। खान ने कहा, ''हम चाहते हैं कि भारत पहले अपने फैसले को पलटे और शांति वार्ता करे।'' प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया (पीटीआई) ने खान से पूछा कि उनके कार्यकाल के दौरान भारत के प्रति विदेश नीति कौन निर्धारित कर रहा था, वह या फिर जनरल बाजवा, इस पर उन्होंने जवाब दिया, ''मैं बॉस था...मैं विदेश नीति निर्धारित कर रहा था। हालांकि, जाने दीजिए। मैं आपको बता दूं कि जनरल बाजवा भारत के साथ बेहतर संबंध बनाने के इच्छुक थे।''

खान ने हाल में कहा था कि उनके कार्यकाल के दौरान उनके पास शक्ति नहीं थी, क्योंकि जनरल बाजवा वह शख्स थे, जो निर्णय ले रहे थे। यह याद दिलाने पर कि उन्होंने भारत में चुनाव से पहले इच्छा व्यक्त की थी कि नरेंद्र मोदी जीतें क्योंकि वह कश्मीर मुद्दे को हल करेंगे, खान ने कहा, ''मुझे अभी भी विश्वास है कि दक्षिणपंथी पार्टी का नेता ही संघर्ष को हल कर सकता है। मोदी दक्षिणपंथी पार्टी से हैं, इसलिए मैं चाहता था कि वह सत्ता में लौटें और कश्मीर मुद्दे को हल करें।

डीएसआई से प्रकृति संरक्षण के लिए धन मुहैया कराया जाएगा इससे जैव विविधता के संरक्षण में मिलेगी मदद

मांट्रियल (एजेंसी)। कोप-15 सम्मेलन में जैवविविधता की रक्षा के लिए हुए ऐतिहासिक समझौते के तौर पर अपनाए गए 'डिजीटल सिक्वेंस इंफोर्मेशन' (डीएसआई) से प्रकृति के संरक्षण के लिए भारत जैसे देशों को धन मुहैया कराया जाएगा। कनाडा के मॉन्ट्रियल में जैव विविधता पर संयुक्त राष्ट्र की संधि के लिए पक्षकारों के सम्मेलन की 15वीं बैठक (सीओपी15) चल रही है। जैव विविधता से संबंधित नागोया प्रोटोकॉल के जरिए संयुक्त राष्ट्र जैवविविधता सम्मेलन का मकसद उपयोगकर्ताओं (कॉरपोरेट संस्थानों) तथा विकासशील देशों में इन संसाधनों का संरक्षण कर रहे स्वदेशी समुदाय तथा किसानों के बीच आनुवंशिक संसाधनों से पैदा हुए फायदों को वितरित करना है। अब डीएसआई तकनीक से कंपनियां संसाधनों को हासिल करने के लिए आनुवंशिक इंजीनियरिंग के जरिए आनुवंशिक संसाधनों के न्यूक्लियोटाइड सिक्वेंस का इस्तेमाल कर सकती हैं। सीओपी15 में विकासशील देशों ने कहा है कि डीएसआई से मिलने वाले फायदों को समान रूप से साझा किया जाना चाहिए। डीएसआई का उपयोग कुछ अंतरराष्ट्रीय नीति मंचों के संदर्भ में किया जाता है विशेष रूप से जैविक विविधता पर संधि आनुवंशिक संसाधनों से प्राप्त डेटा को संदर्भित करने के लिए। राष्ट्रीय जैवविविधता प्राधिकरण (एनबीए) के सचिव जस्टिन मोहन ने कहा देशों ने डीएसआई को संसाधनों तक पहुंचने और फायदे साझा करने के तंत्र में लाने पर स्वीकृति दी थी। विभिन्न देशों से मिलने वाले सुझावों के आधार पर एक कार्यकारी समूह इन फायदों को साझा करने के तौर-तरीकों पर काम करेगा और तुर्किये में अगले सीओपी में इन सिफारिशों को अपनाने की उम्मीद है।

उत्तर कोरिया ने जापान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की धमकी दी

सियोल (एजेंसी)। उत्तर कोरिया ने मंगलवार को जापान के खिलाफ 'सख्त और निर्णायक सैन्य कार्रवाई' करने की धमकी दी। साथ ही उसने जापान को एक आक्रामक सैन्य शक्ति में बदलने के प्रयास के रूप में टोक्यो के राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति अपनाने की भी आलोचना की। उत्तर कोरिया का यह बयान जापान द्वारा सुरक्षा रणनीति की घोषणा के चार दिन बाद आया है। जापान ने घोषणा में चीन और उत्तर कोरिया की ओर से आने वाले खतरों के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाने के लिए 'जवाबी हमला' करने की क्षमता को बढ़ाने और अपने सैन्य खर्च को दोगुना करने का दृढ़ संकल्प व्यक्त किया था।

उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि जवाबी हमले की क्षमता हासिल करने के लिए जापान के प्रयास का आत्मरक्षा से कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन यह 'अन्य देशों के इलाकों पर हमले की एहतियाती क्षमता' हासिल करने का स्पष्ट प्रयास है। सरकारी मीडिया में मंत्रालय के एक अज्ञात प्रवक्ता के हवाले से दिए बयान में कहा गया, 'जापान का अपनी गलत मंशाओं को पूरा करने का मूर्खतापूर्ण प्रयास, आत्मरक्षा के अधिकारों की आड़ में सैन्य आक्रमण की क्षमता को उचित नहीं ठहराया जा सकता और न ही इसे बर्दाश्त किया जा सकता है।'

बयान में अमेरिका पर जापानी सैन्य महत्वाकांक्षाओं का समर्थन करने और बढ़ावा देने और क्षेत्रीय शांति को कम करने का आरोप लगाया गया। बयान में कहा गया है कि इस तरह के कथित अमेरिकी कदम उत्तर कोरिया को देश पर हमला करने के दुश्मन के प्रयासों को विफल करने के लिए नए रणनीतिक हथियार विकसित करने की हमारी योजनाओं को पूरा करने के लिए मजबूर कर रहे हैं।

बयान में कहा गया है कि उत्तर कोरिया यह सुनिश्चित करना चाहता है कि वह जापानी सुरक्षा रणनीति के कारण क्षेत्रीय सुरक्षा की जटिलता के मद्देनजर अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए 'साहसिक और निर्णायक सैन्य कार्रवाई' कर सकता है। बयान में कहा गया है, 'हमारा देश यह दिखाने के लिए कार्रवाई करना जारी रखेगा कि हम जापान के अन्यायपूर्ण, गलत मंशा वाले प्रयास से कितना चिंतित और नाराज हैं।

बिलावल भुट्टो के बयान पर भारत-पाक के बीच बढ़ी तकरार, अब अमेरिका का आया यह रिएक्शन

सयोल (एजेंसी)। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने हाल में ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निजी टिप्पणी करते हुए उनके खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग किया था। इसके बाद से भारत के नेताओं ने जबरदस्त तरीके से पाकिस्तान और वहां के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो का विरोध किया था। इतना ही नहीं, राजनयिक स्तर पर भी इस विरोध को दर्ज कराया गया। पाकिस्तान के विदेश मंत्री की चौतरफा आलोचना भी होती दिखाई दी। इसके बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनातनी और बढ़ गई। इन सब के बीच अब अमेरिका का भी रिएक्शन आ गया। अमेरिका की ओर से साफ तौर पर कहा गया है कि हमारे लिए दोनों देश अच्छे साझेदार हैं और हम नहीं चाहते कि दोनों देशों के बीच किसी तरह का वाकयुद्ध हो। आपको बता दें कि बिलावल भुट्टो ने मर्यादाओं की सभी हदों को लांघते हुए पीएम मोदी पर निजी हमला किया था और उन्हें गुजरात का कसाई कहा था।

इसके बाद भारत के विदेश मंत्रालय की ओर से आपत्ति जताई गई थी। इसे पाकिस्तान का असभ्य बयान भी कहा गया था। इन सबके बीच अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान को लेकर अपना रिएक्शन दिया है। दरअसल, अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस अपना प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे। इसी दौरान उनसे बिलावल भुट्टो के बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई। इसके जवाब में उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हमारी भारत के साथ वैश्विक सामरिक साझेदारी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमारे पाकिस्तान के साथ गहरे संबंध भी हैं। उन्होंने आगे कहा कि संबंधों का मतलब किसी एक का फायदा और दूसरे का नुकसान नहीं है। हम इन्हें एक दूसरे से जोड़कर भी नहीं देखते हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि दोनों देश हमारे साझा लक्ष्यों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक हैं।

इसके साथ ही नेड प्राइस ने यह भी कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच कुछ मतभेद हैं जिन्हें निश्चित तौर पर दूर करने की जरूरत है। अमेरिका एक साझेदार के रूप में दोनों की मदद करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि हमने भारत के साथ अपनी वैश्विक सामरिक साझेदारी को मजबूत किया है, हमारा ऐसा रिश्ता भी है जिसमें हम एक-दूसरे से खुलकर बात कर सकते हैं। हमारे बीच असहमति या चिंता हो सकती है, हम उनसे ऐसे ही बात करते हैं जैसे कि हम अपने पाकिस्तानी मित्रों से करते हैं।'' एक अन्य सवाल के जवाब में प्राइस ने कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कहा था कि 'यह युद्ध का युग नहीं है' तो दुनियाभर के देशों ने इस बयान का स्वागत किया था।

यूक्रेन की राजधानी कीव में फिर किए गए ड्रोन हमले, पुतिन बेलारूस रवाना होंगे

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन की राजधानी कीव में सोमवार तड़के ड्रोन द्वारा फिर से कई हमले किए गए। इस बीच, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सहयोगी देश बेलारूस का दौरा करने की तैयारी कर रहे हैं। लगभग 10 महीने पहले यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के लिए बेलारूस ने रूसी सेना को हमले करने में अपने भू-भाग का इस्तेमाल करने दिया था। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि कीव में तीन दिन पहले भी सोमवार जैसाहमला किया गया था। अधिकारियों ने इसे युद्ध की शुरुआत के बाद से कीव पर किया गया अब तक का सबसे बड़ा हमला बताया है। रूस, यूक्रेन को हवाई हमले के जरिए परेशान करने की कोशिश कर रहा है।

कीव शहर के प्रशासन ने अपने 'टेलीग्राम' अकाउंट पर बताया कि राजधानी कीव के हवाई क्षेत्र में रूस ने 23 ड्रोन हमले किए, जिनमें से कम से कम 18 ड्रोन को मार गिराया गया। इन हमलों में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है और किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। हालांकि, यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि युद्ध में रविवार और सोमवार के बीच देश में कम से कम तीन नागरिकों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने कहा कि इन ड्रोन हमलों से राजधानी क्षेत्र सहित देश के मध्य और पूर्वी इलाकों समेत कुल 11 क्षेत्रों में बिजली गुल हो गई।

कीव के मेयर विटाली क्लिट्सको ने 'टेलीग्राम' पर बताया कि दो जिलों शेवचनकिव्सकी और सोलोम्यंस्की में विस्फोट की आवाज सुनी गई। हालांकि, उन्होंने कहा कि किसी के हताहत होने की तत्काल कोई खबर नहीं है और आपात सेवाएं मौके पर तैनात हैं। सशस्त्र बलों ने कहा कि राजधानी कीव रूस का प्रमुख निशाना प्रतीत हो रही है, लेकिन देश के अन्य इलाकों में भी हमले किए गए हैं। यूक्रेन की वायु सेना ने 'टेलीग्राम' पर बताया कि रूस द्वारा अज़ोव सागर के पूर्वी तट से दागे गए कम से कम 35 विस्फोटक ड्रोन में से 30 को मार गिराया गया।

यूक्रेन की सेना ने मिसाइलों और विस्फोटक ड्रोन को मार गिराने में लगातार सफलता मिलने का दावा किया है।ऊर्जा ढांचों को निशाना बनाकर सर्दियों में यूक्रेन के लोगों को परेशान करने के मकसद से रूस, कीव सहित अन्य स्थानों पर बुनियादी ऊर्जा ढांचे को निशाना बना रहा है। रूस ने शुक्रवार को भी राजधानी कीव पर हमले किए थे। देश भर में कई दर्जन मिसाइलें दागी गईं जिससे व्यापक स्तर बिजली आपूर्ति बाधित हुई। सोमवार को सेंट निकोलस डे था।

ट्विटर कौन चला रहे इसको लेकर कोई निजी राय नहीं, कैसे चला रहा है उसमें रुचि: गुतारेस

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। । संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने कहा कि ट्विटर कौन चला रहा है इसको लेकर उनकी कोई ''व्यक्तिगत भावना'' नहीं है, हालांकि उन्हें इस बात में ''बेहद रुचि'' है कि इस सोशल मीडिया मंच को चलाया कैसे जा रहा है। सोशल मीडिया मंचों पर अभद्र के इस्तेमाल को रोकने, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के महत्व को रेखांकित करते हुए गुतारेस ने यहां सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' मंच कौन चला रहा है इसको लेकर मेरी कोई निजी राय नहीं है। मेरी इस बात में अधिक रुचि है कि मंच को चलाया कैसे जा रहा है।''

गुतारेस से पूछा गया था कि क्या उन्हें लगता है कि ट्विटर के मालिक एलोन मस्क अभिव्यक्ति की स्वतत्रंता के लिए खतरा हैं और अगर अरबपति सोशल मीडिया मंच के प्रमुख का पद छोड़ देते हैं तो क्या उन्हें राहत मिलेगी? सीएनएन की खबर के अनुसार, ट्विटर उपयोगकर्ताओं ने सोमवार को मस्क के मंच के प्रमुख का पद छोड़ने के लिए मतदान किया था। मस्क (51) ने अपने 12.2 करोड़ 'फॉलोअर्स' से पूछा था कि उन्हें ट्विटर के प्रमुख का पद छोड़ना चाहिए या नहीं।

इस 'सर्वेक्षण' पर 1.7 करोड़ वोट आए, जिनमें से करीब 57.5 प्रतिशत लोगों ने 'हां' का विकल्प चुना। मस्क ने रविवार को ट्वीट किया था, '' क्या मुझे ट्विटर प्रमुख का पद छोड़ देना चाहिए? मैं 'पोल' के परिणाम का पालन करूंगा।'' उन्होंने बाद में एक ट्वीट में कहा,'' जैसा कि कहा जाता है सोच-समझकर कोई की मुराद मांगे, क्योंकि वह पूरी हो सकती है।'' गुतारेस ने कहा कि प्रेस की स्वतंत्रता को बनाए रखने और साथ ही अभद्र व उग्रवाद के रूपों से बचाने में सोशल मीडिया मंचों की एक विशेष जिम्मेदारी है। संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख ने कहा, '' अगर प्रेस की स्वतंत्रता खतरे में हो, पत्रकारों को अपना काम करने की अनुमति नहीं दी जाए, साथ ही अभद्र का प्रसार हो तो यह देखकर मुझे काफी दुख होगा।''

उन्होंने कहा, ''इसलिए किसी मंच के मालिक को मेरी यही सलाह है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बनाए रखे, खासकर पत्रकारों की साथ ही यह सुनिश्चित करें कि नव-नाज़ियों, श्वेत वर्चस्ववादियों सहित अभद्र तथा कट्टरपंथी विचारकों को उनके मंच पर अपने हित साधने का मौका न मिले।'' गुतारेस के ट्विटर पर 20 लाख 'फॉलोअर्स' हैं। उनसे पूछा गया कि किन परिस्थितियों में वह अपना खाता बंद करने पर विचार करेंगे और क्या वह मस्क से मिलने में दिलचस्पी रखते हैं?

गुतारेस ने कहा, '' मैं वही करूंगा जो उस समय मेरी अंतरात्मा मुझे करने को कहेगी और जो सही होगा। अभी खाता कायम रखना सही है क्योंकि उसकी एक अहम भूमिका है। हालांकि हम हर स्थिति के प्रति सजग रहेंगे।'' उन्होंने कहा कि सवाल यह नहीं है कि आप किससे मिलते हैं। गुतारेस ने कहा, '' सवाल यह है कि आपके नियम स्पष्ट होने चाहिए स्पष्ट नियम बनाना सोशल मीडिया मंच की जिम्मेदारियों को स्पष्ट करने के लिए जरूरी हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com | www.facebook.com/krantisamay1 | www.twitter.com/krantisamay1

पीएम मोदी के खिलाफ बिलावल की टिप्पणी पर फूटा कश्मीरियों का गुस्सा, भुट्टो की बर्खास्तगी की माँग

श्रीनगर। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने भारत के प्रधानमंत्री के बारे में अपमानजक टिप्पणी की तो भारतीयों का गुस्सा फूट पड़ा। दिल्ली में पाकिस्तानी दूतावास के बाहर भाजपा कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन तो किया ही साथ ही देश के विभिन्न शहरों में भी बिलावल भुट्टो के पुतले फूंके गये। इसी कड़ी में जम्मू-कश्मीर में भी जगह-जगह लोगों ने पाकिस्तान के विरोध में नारेबाजी की और बिलावल भुट्टो का पुतला फूंका। श्रीनगर में भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने बिलावल भुट्टो का पुतला फूंकते हुए विरोध प्रदर्शन किया और कहा कि प्रधानमंत्री के खिलाफ टिप्पणी करने के लिए उन्हें दंडित किया जाना चाहिए। एक भाजपा समर्थक ने कहा कि हम पाकिस्तान के प्रधानमंत्री से मांग करते हैं कि वह भारत के प्रधानमंत्री के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले मंत्री को अपने मंत्रिमंडल से बर्खास्त करें।

छत्तीसगढ : सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर, घटनास्थल से हथियार और अन्य सामान बरामद

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में मंगलवार को एक नक्सली को मार गिराया। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के मिरतुर थाना क्षेत्र के तहत आने वाले पोरोवाड़ा-तिमेनार गांव के मध्य जंगल में सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में आज सुबह लगभग 10 बजे एक नक्सली को मार गिराया। उन्होंने बताया कि मिरतुर थाना क्षेत्र में बीजापुर डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) और एसटीएफ (विशेष कार्य बल) के संयुक्त दल को गश्त पर भेजा गया था। दल जब पोरोवाड़ा-तिमेनार गांव के मध्य जंगल में पहुंचा तब नक्सलियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कुछ देर तक दोनों ओर से गोलीबारी के बाद नक्सली वहां से फरार हो गए। बाद में जब सुरक्षाबलों ने घटनास्थल की तलाशी ली तब वहां से एक नक्सली का शव, हथियार और अन्य सामान बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि मारे गए नक्सली की पहचान नहीं हो पाई है। क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी है।

हिमाचल पंजाब हरियाणा चंडीगढ़ दिल्ली और यूपी में अगले दिनों में बढ़ेगा घना कोहरा

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में ठंड बढ़ गई है। इसके साथ ही राजधानी दिल्ली में घने कोहरे ने दस्तक दे दी है। वहीं भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने देश के कई राज्यों में घने से बहुत घने कोहरे की चेतावनी जारी की है। आईएमडी ने अगले 4 से 5 दिनों के दौरान हिमाचल प्रदेश पंजाब हरियाणा चंडीगढ़ दिल्ली और उत्तर प्रदेश के लिए घने कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन दिन भारत-गंगा के मैदानी इलाकों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर नमी और हल्की हवाओं के कारण पंजाब हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश में रात और सुबह के दौरान कई इलाकों में घने से बहुत घने कोहरे की संभावना है। इसके साथ ही अगले दो दिनों के दौरान बिहार और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग इलाकों में घना कोहरा छाने की संभावना है। हालांकि आईएमडी के मुताबिक अगले 4 से 5 दिनों के दौरान भारत के उत्तरी भागों में न्यूनतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं होने की संभावना है। इसी तरह हिमालय से शुष्क उत्तर-पश्चिमी हवाओं के कारण अगले 4 से 5 दिनों के दौरान हिमाचल प्रदेश पंजाब हरियाणा और उत्तरी राजस्थान में अलग-अलग हिस्सों में शीत लहर की स्थिति जारी रहने की संभावना है। वहीं एक कम दबाव का क्षेत्र बंगाल की दक्षिण खाड़ी के मध्य भागों और इससे सटे पूर्वी भूमध्यरेखीय हिंद महासागर पर स्थित है। अगले दो दिनों के दौरान इसके धीरे-धीरे पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर श्रीलंका तट की ओर बढ़ने की संभावना है। स्काईमेट के अनुसार अगले अगले 24 घंटों में अंडमान-निकोबार के दक्षिणी हिस्सों में एक या दो बार हल्की से भारी बारिश हो सकती है। तटीय तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के दक्षिणी तट भी पर हल्की बारिश की संभावना है। रायलसीमा दक्षिण कर्नाटक तमिलनाडु के अंदरूनी हिस्सों और केरल के कुछ हिस्सों में भी बारिश की भविष्यवाणी स्काईमेट ने की है।

विदेशी जेलों में कैद हैं 11 हजार भारतीय बेहतर जिंदगी की जगह नसीब हुई जेल की कालकोठरी

नई दिल्ली। हर साल बड़ी संख्या में भारतीय विदेश का रुख करते हैं। जबकि लाखों की संख्या में ऐसे भारतीय हैं जो दिन हो या रात विदेश जाने की सपना देखते रहते हैं। इस सब के बीच हजारों की संख्या में लोग हैं जो विदेश जाने में तो कामयाब हो गए लेकिन वहां बेहतर जिंदगी पाने की जगह उन्हें जेल की कालकोठरी नसीब हुई है। लोकसभा में सांसद अरविंद धर्मपुरि?या द्वारा पूछे गए सवाल के लिखित जवाब में विदेश राज्यमंत्री वी मुरलीधरन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार वर्तमान समय में विदेशी जेलों में करीब 8280 भारतीय नागरिक कैद हैं। इनमें विचाराधीन कैदी के तौर पर 1297 भारतीय जेल में कैद हैं और 3580 भारतीयों को वहां की स्थानीय अदालत सजा चुकी है। विदेश राज्यमंत्री वी मुरलीधरन ने अपने लिखित जवाब में बताया है कि विदेशी जेलों में बंद 3403 भारतीय नागरिक ऐसे भी हैं जिनकी स्थिति अभी साफ नहीं है कि वह सजायाफ्ता हैं या फिर विचाराधीन कैदी। विदेश मंत्रालय के अनुसार सर्वाधिक 1858 भारतीय नागरिक संयुक्त अरब अमीरात की जेलों में कैद हैं जिनमें करीब 40 भारतीय महिलाएं भी शामिल हैं। विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 69 अलग-अलग देशों की जेल में करीब 8280 भारतीय नागरिक कैद हैं। बड़े आंकड़ों की बात करें तो सर्वाधिक 1858 भारतीय संयुक्त अरब अमीरात की जेलों में कैद हैं। इसके बाद 1346 भारतीय सउदी अरब की जेल में बंद हैं। इसमें 470 भारतीयों के खिलाफ आपराधिक मामलों के तहत अदालत में सुनवाई चल रही और 876 भारतीय सजायाफ्ता हैं और वह अपनी सजा काट रहे हैं। विदेशी जेलों में बंद भारतीयों के अपराध की बात करें तो ज्यातादर अवैध रूप से संबंधित देश की सीमा पार करने अवैध रूप से उस देश में रहने जैसे अपराधों में जेल में बंद हैं। इसके अलावा कई भारतीय नशीले पदार्थों की तस्करी पारिवारिक हिंसा सड़क दुर्घटना नस्लीय हिंसा गबन चेक बाउंस चेक जैसे अपराधों के तहत जेल में बंद हैं। कुछ हत्या हत्या का प्रयास मानव तस्करी बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों के तहत जेल में बंद हैं।

आगरा नगर निगम ने भेजा ताज महल को एक करोड़ रुपये का गृहकर का नोटिस

आगरा। आगरा में नगर निगम ने ताजमहल को एक करोड़ से अधिक रुपये का नोटिस भेजा है। नोटिस में गृहकर, जलकर और सीवर कर इत्यादि शामिल है। अधिकारियों के मुताबिक, अकेले गृहकर के नाम पर करीब डेढ़ लाख रुपये का नोटिस पुरातत्व विभाग के अधिकारियों को भेजा गया है। नोटिस में 15 दिन के अंदर यह गृहकर जमा करने को कहा गया है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग, आगरा (एएसआई) के अधिकारियों के अनुसार, गृहकर का एक नोटिस एत्माद्दौला स्मारक को भी भेजा गया है। संरक्षित स्मारक एत्माद्दौला को यह नोटिस एत्माद्दौल फोरकोर्ट के नाम से भेजा गया है। इस संबंध में पूछे जाने पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग में अधीक्षक डॉ. राजकुमार पटेल ने बताया कि ताजमहल और एत्माद्दौला के संबंध में भेजे गये नोटिस का जवाब देकर स्थिति स्पष्ट की जाएगी। उन्होंने कहा कि ताजमहल और एत्माद्दौला राष्ट्रीय स्मारक है और यह केंद्र और राज्य सरकार की संपत्ति हैं। उन्होंने संभावना जताई कि नगर निगम द्वारा कर गणना के लिये लगाई गयी एजेंसी की गलती से ऐसा हुआ होगा। पुरातत्व विभाग नगर निगम को जवाब भेजकर स्थिति स्पष्ट कर देगा।

राज्य सरकार को शराब माफिया से वसूलकर मृतकों के परिजनों को देना चाहिए मुआवजा : सुशील मोदी

पटना (एजेंसी)। बिहार में जहरीली शराब से मौतों के मामले में जेडीयू और भाजपा आमने-सामने आ गई है। विपक्ष लगातार मुआवजे की मांग पर अड़ा है तो सत्ता पक्ष विपक्ष को शराबबंदी के लिए बनाए गए एक्ट को पढ़ने की सलाह दे रहा है। वहीं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी ने आरोप लगाया है कि झूठे आंकड़े पेश कर नीतीश सरकार वाहवाही लूटने में लगी है। दूसरे राज्यों से बिहार की स्थिति को बेहतर बता रही है।

जहरीली शराब से हुई मौत पर भाजपा के द्वारा हंगामा और मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने की मांग पर वित्तमंत्री विजय चौधरी की बात पर सुशील मोदी ने कहा कि उनको आधी बात की जानकारी है उनको पहले पूरा एक्ट पढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक्ट में लिखा हुआ है कि जो शराब माफिया तस्कर इसके लिए जिम्मेदार हैं उनसे मुआवजा वसूलकर मृतकों के परिवार को सरकार देगी और यही एक्ट में प्रावधान है।

सुशील मोदी ने कहा कि जब सरकार ने कुबूल कर लिया कि जहरीली शराब से मौत के मामले में मुआवजा देने का प्रावधान है तब पीड़ित परिवारों को पहले मुआवजा मिलना चाहिए। नियमानुसार मुआवजा राशि की वसूली जहरीली शराब बनाने-बेचने वालों से बाद में भी हो सकती है। उन्होंने कहा कि गरीबों को मुआवजा देने को नीतीश कुमार अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न न बनाएं। पीएम मोदी ने कहा कि जहरीली शराब से मरनेवालों के गरीब आश्रितों को मुआवजा देने से बचने के लिए सरकार ने पहले नियम को लेकर झूठ बोला और अब बिहार में जहरीली शराब से मरने वालों के बारे में भी झूठे आंकड़े पेश कर चेहरा चमका रही है।

पूर्व डिप्टी सीएम ने कहा कि एक तरफ बिहार सरकार अपनी रिपोर्ट में सिर्फ 2016 में शराब सेवन से सात लोगों की मौत की बात कह रही है वहीं दूसरी तरफ उसी साल जहरीली शराब सेवन से मरने वाले 19 लोगों के परिवार को चार-चार लाख मुआवजा भी देती है। राज्य सरकार की ओर से राष्ट्रीय अपराध अनुसंधान ब्यूरो (एनसीआरबी) को भेजी गई उस रिपोर्ट को आधार बना कर सरकार के झूठ को आईना दिखाया जिसके अनुसार 2016-2021 के बीच बिहार में शराब के सेवन से सिर्फ 23 लोगों की मौत हुई है।

महाराष्ट्र विधान सभा : परिसर में विपक्षी दलों का हंगामा, मुख्यमंत्री शिंदे के इस्तीफे की मांग

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा परिसर में विपक्षी दलों ने सरकार पर भ्रष्ट होने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को विरोध-प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के इस्तीफे की मांग की। बंबई उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ द्वारा शिंदे द्वारा लिए गए एक फैसले पर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश देने की पृष्ठभूमि में विपक्षी दलों के विधायक मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। राज्य की उद्धव ठाकरे नीत पूर्ववर्ती महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार में मंत्री रहे शिंदे ने झुग्गीवासियों को दी जाने वाली भूमि को कथित तौर पर कुछ अन्य लोगों को आवंटित करने का निर्देश दिया था। अदालत ने इसी फैसले पर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है। न्याय मित्र अधिवक्ता आनंद परचुरे ने 14 दिसंबर को उच्च न्यायालय की एक पीठ को बताया था कि शिंदे ने एमवीए सरकार के शहरी विकास मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान एनआईटी को झुग्गी निवासियों की आवास योजना के लिए अधिग्रहित भूमि अन्य 16 लोगों को देने का निर्देश दिया था।विधान भवन स्थित कांग्रेस कार्यालय में एमवीए नेताओं की बैठक के बाद नागपुर में राज्य विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अजीत पवार, कांग्रेस नेता नाना पटोले, पृथ्वीराज चव्हाण, बालासाहेब थोराट, शिवसेना (यूबीटी) के विधायक आदित्य ठाकरे और अन्य नेताओं ने विरोध- प्रदर्शन किया। एमवीए के नेताओं ने शिंदे सरकार के भ्रष्ट होने को लेकर नारेबाजी की और मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग की।

सरकार ने कहा देश भर में खुले 8900 जन औषधि केंद्र, रोजाना 20 लाख लोग खरीदते हैं सस्ती दवाइयां

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि देश भर में अभी 8900 से अधिक जन औषधि केंद्र काम कर रहे हैं जिनसे प्रतिदिन करीब 20 लाख लोग सस्ती दवाइयां खरीद रहे हैं। रसायन एवं उर्वरक मंत्री मनसुख मांडविया ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों के जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस योजना का मकसद सभी लोगों को, खास कर गरीबों और वंचितों को वहनीय कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाइयां मुहैया कराना है। मांडविया ने बताया कि प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्रों के मालिक 15000 रुपयेप्रति माह की अधिकतम सीमा के अधीन 15 प्रतिशत मासिक खरीद की दर से प्रोत्साहन के पात्र होते हैं। इसके अलावा, उत्तर-पूर्वी राज्यों, हिमालयी क्षेत्रों, द्वीपीय क्षेत्रों और 'आकांक्षी जिलों' के रूप में उल्लिखित पिछड़े क्षेत्रों में अथवा महिला उद्यमी, दिव्यांग लोगों द्वारा द्वारा खोले गए जन औषधि केंद्रों को दो लाख रुपए का अतिरिक्त प्रोत्साहन दिया जाता है।

अजय राय के बयान पर स्मृति ईरानी बोलीं,

गांधी परिवार ऐसे लोगों को उत्साहित करता है, यह उनके संस्कारों का दर्पण

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को लेकर कांग्रेस नेता अजय राय ने जो बयान दिया था, उसके बाद उनकी मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। इन सब के बीच एक बार फिर से स्मृति ईरानी ने अजय राय और कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भारत की सेना को लेकर अभद्र टिप्पणी करना, महिला जनप्रतिनिधि जो उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष को हरा चुकी है, उसको लेकर अभद्र टिप्पणी करना अथवा स्वतंत्रता संग्राम में शामिल साधारण हिंदुस्तानियों को कुत्ता कहना आखिर क्या दिकाता है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि ऐसा क्यों है कि कांग्रेस नेताओं को लगता है कि इस प्रकार के निम्न शब्दों का इस्तेमाल कर गाली देकर क्यों लगता है कि गांधी खानदान खुश हो जाएगा। उन्होंने पूछा कि आखिर वह कौन सा कल्चर है जिसे गांधी खानदान ने कांग्रेस में सर्टिफाई किया है।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि चाहे महामहिम राष्ट्रपति जी को लेकर दिए बयान हो, चाहे मेरे खिलाफ अभद्र टिप्पणी हो, चाहे नरेंद्र मोदी को लेकर अभद्र टिप्पणी हो, चाहे भारतीय सेना के खिलाफ मामला हो, ऐसा क्यों है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गांधी परिवार की उपस्थिति में ऐसा बयान देते हैं। ऐसा क्या है कि गांधी खानदान इस प्रकार की अभद्र व्यवहार को प्रोत्साहित करता है। उन्होंने सवाल किया कि क्या गांधी खानदान तभी तरक्की करने देगा, जब आप इस तरह की गंदी गालियां देंगे। अगर ऐसा है तो यह गांधी खानदान के असली चरित्र का उजागर करने वाला है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति और सभ्यता में महिला के प्रति अभद्र टिप्पणियां करना हमारे संस्कार का विषय नहीं है। उनके राजनीतिक संस्कार का यह दर्पण हो सकता है, पर हमारे में नहीं है।

क्या था मामला

अजय राय ने स्मृति ईरानी पर तंज कसते हुए कहा था कि वह सिर्फ 'लटके-झटके' दिखाने के लिए अमेठी आती हैं। उन्होंने कहा, (अमेठी) सीट निश्चित रूप से गांधी परिवार की है और यह रहेगी। वहां के कार्यकर्ताओं और हम सभी की मांग है कि वह (राहुल गांधी) वहां (अमेठी) से 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ें। वहीं, स्मृति ईरानी ने अजय राय के 'लटके-झटके' वाले बयान को लेकर राहुल गांधी पर निशाना साधा। ईरानी ने एक ट्वीट में कहा, ''सुना है राहुल गांधी जी आपने अपने किसी प्रांतीय नेता से अभद्र तरीके से 2024 में अमेठी से लड़ने की घोषणा करवाई है। तो क्या आपका अमेठी से लड़ना पक्का समझूं? दूसरी सीट पर तो नहीं भागेंगे? डरेंगे तो नहीं?''

मुख्यमंत्री योगी ने सर्द रात में जाना रैन बसेरों का हाल

– रैन बसेरा को व्यवस्थाएं देखीं जरूरतमंदों को बांटे कंबल और खाना भी खिलाया

मुंबई (एजेंसी)। गोरखपुर (ईएमएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार रात नौ बजे खुद रैन वसेरों का हाल जानने निकल पड़े। मुख्यमंत्री ने रेलवे स्टेशन कचहरी और गोरखनाथ रैन बसेरा की व्यवस्था देखी और ठहरे हुए लोगों से बात की। भोजन का पैकेट और कंबल दिया। अफसरों को निर्देश दिए कि रैन बसेरों की संख्या और बढ़ाई जाए ताकि ज्यादा से ज्यादा जरूरतमंदों को लाभ पहुंचाया जा सके। हर जरूरतमंद को रैन बसेरा में अच्छी सुविधा दी जाए। प्रशासन इसे प्राथमिकता पर लेते हुए यह सुनिश्चित करें कि सभी रैन बसेरों में पर्याप्त संख्या में बिस्तर व कंबल का इंतजाम हो। सफाई दुरुस्त रहे और जिनके पास भोजन की व्यवस्था नहीं है उसे भोजन प्रशासन उपलब्ध कराए। मुख्यमंत्री ने तीनों रैन बसेरों के बाहर भी जरूरतमंद लोगों में उच्च गुणवत्ता के कंबल व भोजन का वितरण किया। सभी को आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी को भी चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। मुख्यमंत्री योगी ने रैन बसेरों में ठहरे सभी लोगों से आत्मीय संवाद किया। कोई फिरोजाबाद तो कोई सहारनपुर से आया था। किसी को डॉक्टर से परामर्श लेना था तो कोई परीक्षा देने आया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी से रैन बसेरा की व्यवस्था के बारे में पूछा तो सबने अच्छा बताया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ रैन बसेरा के बाहर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि जिला प्रशासन व नगर निकायों को निर्देशित किया गया है कि रैन बसेरों के संचालन में स्वयंसेवी संगठनों की भी मदद ली जाए। कोई भी बेसहारा या जरूरतमंद सड़क पर ठिठुरता न दिखाई दे। उनके ठहरने की सम्मानजनक व्यवस्था कराई जाए। इसके साथ ही शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में हर जरूरतमंद को कंबल व ऊनी कपड़े उपलब्ध कराए जाएं। हर जगह पर पर्याप्त अलाव की व्यवस्था हो।

नौकरी के इच्छुक लोगों से करोड़ों की ठगी, ठग रेलवे स्टेशन पर रोज गिनवाते रहे ट्रेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के अलग-अलग प्लेटफार्मों पर तमिलनाडु के कम से कम 28 लोग करीब एक महीने तक रोजाना आठ घंटे आने-जाने वाली ट्रेनों तथा उनके डिब्बों की गिनती कर रहे थे। उन्हें बताया गया था कि यही उनका काम है। वे इस बात से बेखबर थे कि वे नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी का शिकार हो चुके हैं। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) में दायर एक शिकायत के अनुसार, उन्हें बताया गया था कि यह यात्रा टिकट परीक्षक (टीटीई), यातायात सहायकों और क्लर्कों के पदों के लिए उनके प्रशिक्षण का हिस्सा था।

रेलवे में नौकरी पाने के लिए उनमें से प्रत्येक ने दो लाख से 24 लाख रुपये के बीच की राशि का भुगतान किया था शिकायत 78 वर्षीय एम सुब्बुसामी द्वारा दर्ज कराई गई। शिकायत के अनुसार, जून और जुलाई के बीच हुए एक महीने के प्रशिक्षण के लिए, धोखेबाजों के एक समूह द्वारा पीड़ितों से 2.67 करोड़ रुपये ठगे गए। पूर्व सैनिक सुब्बुसामी पीड़ितों को कथित धोखेबाजों के संपर्क में लाए थे, लेकिन उन्होंने दावा किया कि वह इस बात से अनजान थे कि यह सब एक घोटाला था और वह भी उनके जाल में फंस गए।

मदुरै के एक पीड़ित 25 वर्षीय स्नेहिल कुमार ने कहा, ÷प्रत्येक उम्मीदवार ने सुब्बुसामी को दो लाख रुपये से लेकर 24 लाख रुपये तक की रकम का भुगतान किया, जिसने विकास राणा नाम के एक व्यक्ति को भुगतान किया। राणा ने दिल्ली में उत्तर रेलवे कार्यालय में खुद को एक उप निदेशक के रूप में पेश किया।÷ ज्यादातर पीड़ित इंजीनियरिंग और तकनीकी शिक्षा की पृष्ठभूमि वाले स्नातक हैं। तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में अपने गृहनगर से फोन पर 'पीटीआई-भाषा' से सुब्बुसामी ने कहा, ÷मेरी सेवानिवृत्ति के बाद से, मैं अपने इलाके के बेरोजगार युवाओं को बिना किसी मौद्रिक हित के उपयुक्त नौकरी खोजने में मदद कर रहा हूं।÷ प्राथमिकी में, उसने आरोप लगाया है कि वह दिल्ली के एक एमपी क्वार्टर में कोयम्बटूर निवासी शिवरमन नामक व्यक्ति से मिला था।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पहली बार आमने सामने आए जैकलीन और सुकेश, 'आप' को भी दिए 60 करोड़

नयी दिल्ली (एजेंसी)। महाठग सुकेश चंद्रशेखर के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आज पटियाला हाउस कोर्ट में सुनवाई हो रही है। इस मौके पर पटियाला हाउस कोर्ट में बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस भी मौजूद है। इस दौरान पहली बार सुकेश और जैकलीन का आमना सामना करवाया गया है।

जैकलीन अब तक की पूछताछ में बता चुकी हैं कि ठग सुकेश से वो कई महंगे गिफ्ट्स ले चुकी है। प्रवर्तन निदेशालय ने चार्जशीट में जैकलीन का नाम भी दर्ज किया है। पेशी के दौरान ईडी के वकील ने जानकारी दी कि सुकेश के पास तिहाड़ जेल में कई मोबाइल बरामद हुए थे, मगर ये काफी पहले हुआ था। वहीं पब्लिक प्रॉसिक्यूटर ने आरोप लगाया कि सुकेश चंद्रशेखर इस पूरे मामले का मास्टरमाइंड है। सुकेश ने पीड़ितों के साथ 200 करोड़ रुपये की ठगी की है। वहीं प्रवर्तन निदेशालय का कहना है कि सुकेश ने बताया था कि उसने अदिति सिंह से 57 करोड़ रुपये लिए थे, जिससे जेल प्रशासन को गिफ्ट दिए गए थे। सुकेश जेल में रहते हुए बी मोहनराज के साथ भी संपर्क में था, जिसके लिए लम्बॉर्गिनी समेत कई लग्जरी गाड़ियां खरीदी गई थी। कोर्ट ने ईडी को एक्ट्रेस लीना मारिया पॉल से अटैच की गई 26 कारों को अपने कब्जे में लेने की इजाजत दे दी है। जानकारी के मुताबिक डीजी तिहाड़ को भी पांच करोड़ रुपये दिए गए थे। जांच में सामने आया है कि सुकेश ने दीपक रामनानी से किसी अन्य के जरिए मुलाकातकी थी। दीपक रामनानी के जरिए ही सुकेश ने अदिति सिंह से भी 57 करोड़ रुपये की वसूली की थी। उसने शिवेंद्र मोहन सिंह और मलविंदर से मुकालात की थी।

सुकेश का आम आदमी पार्टी पर भी बड़ा आरोप

आरोप तय करने के लिए कोर्ट में ईडी ने बताया कि 57 करोड़ रुपये लिए है। ठग सुकेश ने कहा कि मैंने सब लिखित में दे दिया है। मैंने आप को 60 करोड़ रुपये दिए है। सुकेश चंद्रशेकर ने आम आदमी पार्टी पर बड़ा आरोप लगाया है। सुकेश के दावे के बाद उसके वकील अनंत मलिक ने कहा कि हमने 60 करोड़ रुपये आम आदमी पार्टी को दिए है। एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति ने सुकेश का बयान लिया है। समिति ने अपनी सिफारिशें दी और कहा कि आरोप गंभीर हैं और जांच की जानी चाहिए।

जैकलीन की मांग खारिज

अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस ने 23 दिसंबर से बहरीन की यात्रा करने की अनुमति के लिए आवेदन दिया है। अदालत ने ईडी को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया और मामले को 22 दिसंबर के लिए सूचीबद्ध किया।

'जो व्यक्ति संसद में नशे में आया करता था, वही अब राज्य चला रहा है', हरसिमरत बादल का भगवंत मान पर निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा है। इस दौरान संसद में राजनीतिक वार पलटवार का दौर भी देखने को मिल रहा है। इन सबके बीच शिरोमणी अकाली दल के सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को लेकर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा है। हरसिमरत कौर बादल ने अपने बयान में कहा कि कुछ समय पहले तक पंजाब के मुख्यमंत्री इसी सदन में बैठा करते थे। उन्होंने इसके बाद साफ तौर पर कहा कि दिन के 11:00 बजे वह कौन सा नशा करके आते थे कि हर कोई अपनी सीट बदलने की बात करता था। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जो व्यक्ति संसद में नशे में आता था, वही आज हमारा सूबा चला रहा है। जब हरसिमरत कौर बादल भगवंत मान पर हमले कर रही थीं, उस दौरान सदन में गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे। उनके चेहरे पर मुस्कुराहट देखी गई।

इसके साथ ही हरसिमरत कौर बादल ने कहा कि संसद की सुरक्षा के लिए हमारे सुरक्षाबलों ने शहादत दी है। लेकिन हमारे सीएम जब सांसद बनकर यहां आए थे तो उन्होंने बाहर से अंदर तक की वीडियोग्राफी कर दी थी ताकि हमारे दुश्मनों को पता चल सके कि हम अंदर से बाहर कैसे आते जाते हैं। इसको लेकर सभापति ने उस समय एक कमेटी भी बनाई थी। उन्हें पूरे सत्र से बाहर भी रखा गया था। उन्होंने सवाल किया कि पता नहीं 11:00 क्या खा-पी के आते थे कि आसपास के सारे बोलते थे कि हमारी सीट बदल दो। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के ऊपर भी दो सुपर मुख्यमंत्री बैठा दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का नशे से यह हिसाब हो गया तो स्टेट का क्या हो रहा होगा, यह आप समझ सकते हैं।

हरसिमरत कौर बादल ने कहा कि पिछले 10 महीने में पंजाब में नशे का यह हाल हो गया है कि सड़कों पर लिखा रहता है डोंट ड्रिंक, डोंट ड्राइव लेकिन हमारे मुख्यमंत्री तो ड्रिंक करके स्टेट को ड्राइव कर रहे हैं। अरविंद केजरीवाल कहते हैं कि भगवंत मान माता की कसम खाई थी कि वह आप शराब नहीं पीते और कहते हैं कि भगवंत मान ने बहुत बड़ी कुर्बानी की है। इतनी बड़ी कुर्बानी कोई नहीं कर सकता। उन्होंने बार-बार कहा कि अगर मुख्यमंत्री ऐसे हैं तो आप अंदाजा लगा सकते हैं कि राज्य का क्या हाल होगा। हमारे मुख्यमंत्री तो शराब पी का राज्य चला रहे हैं। आपको बता दें कि 2022 पंजाब में हुए विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने जबरदस्त जीत हासिल की थी और भगवान राज्य के मुख्यमंत्री बने थे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

समाज के लिए चिंताजनक मामला

बाहर से घर की कुंडी लगा कर गई 12 वर्षीय किशोरी,युवक के साथ बिना कपड़ों के मिली

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के कापोद्रा इलाके से माता-पिता को डरा देने और आज की युवा पीढ़ी व समाज के लिए लाल बत्ती समान मामला सामने आया है। किशोरावस्था में प्यार में पड़ने और जिंदगी बर्बाद करने का मामला वाकई सभी को हैरान करने वाला है। कक्षा 7 में पढ़ने वाली 12 साल की लड़की को 23 साल के युवक से प्यार हो जाता है और यह युवक भी उम्र की परवाह किए बिना उसे अपने मोह-जाल में फंसा कर उसके साथ अनैतिक संबंध बना लेता है। देर रात युवक और किशोरी आपत्तिजनक हालत में मिले तब एक बारगी तो परिवार में कोहराम सा मच गया। यह वास्तव में समाज के लिए एक चिंताजनक घटना है और प्रत्येक माता-पिता को अपने बच्चों पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

समाज के लिए चिंताजनक मामला इस पूरे प्रकरण के बारे में विस्तार से बताएं तो सूरत के कापोद्रा इलाके की सातवीं क्लास में पढ़ने वाली 12 साल की लड़की को अपने घर के पास रहने वाले 23 साल के युवक संदीप से प्यार हो गया। पढ़ने के बहाने वह देर रात तक जगती और परिवार के अन्य सदस्यों के सो जाने के बाद अपने प्रेमी से मिलने चली जाती थी। दोनों के बीच शारीरिक संबंध भी बन गए।

पढ़ने के बहाने देर रात प्रेमी से मिलने जाती थी लड़की
सातवीं कक्षा की छात्रा ने अपने प्रेमी से मिलने के लिये तरकीब लगा रखी थी। जब उसका परिवार शाम को खाना खाने के बाद रात में सोने के लिए तैयारी करता था, तब लड़की घरवालों से कहती कि स्कूल में मेरी परीक्षा है इसलिए मुझे देर रात तक पढ़ना है। बेटी की पढ़ाई के पीछे जुनून देखकर परिजन खुश होते और उसे छोड़ कर परिवार के बाकी के सदस्य सोने चले जाते।

ऐसे उजागर हुआ मामला
घटना वाले दिन भी पढ़ाई करने के बहाने जाग रही लड़की आधी रात को अपने 23 वर्षीय प्रेमी से मिलने गई। इस दौरान उसने अपने घर का दरवाजा बाहर से बंद कर लिया। परिवार के सदस्य सो रहे थे। इसी बीच देर रात करीब 1ः30 बजे लड़की के पिता ने नींद खुली और उन्होंने सामान्य ढंग से पड़ताल की तो अपनी बेटी को घर में नहीं पाया। परेशान होकर उन्होंने अपनी बेटी खोजने के लिये घर का दरवाजा खोलने का प्रयास किया, लेकिन वह बाहर से बंद था। उन्होंने सोसायटी में ही रहने वाले अपने बड़े भाई को बुलाकर बाहर से दरवाजा खुलवाया और फिर अपनी बेटी की तलाश शुरू कर दी।

परिजनों को बेटी को पड़ौसी युवक के साथ आपत्तिजनक हालत में पाया परिजनों द्वारा बेटी का पता लगाने के काफी प्रयास किये गये लेकिन वह नहीं मिली। फिर परिवार ने घर की छत पर जाकर जांच की और दीवार फांद कर पड़ोसी के घर की छत पर जाकर पड़ताल की तो सब की आखें चौंधिया गईं। सोसाइटी में ही पड़ौस में रहने वाले युवक के साथ लड़की आपत्तिजनक हालात में मिली। बेटी को इस हालत में देखकर परिवार वाले सदमे में आ गए।

छह महीने में तीन से चार बार संबंध बनाए
परिजनों ने नाबालिग को कपड़े पहनाए और युवक को उसी हालत में नीचे उतारा। पूछताछ और पड़ताल करने पर दोनों ने बताया कि उनके बीच शारीरिक संबंध थे। इतना ही नहीं दोनों से पूछताछ करने पर परिवार को पता चला कि पिछले छह माह में उन्होंने चोरी-छिपे तीन से चार बार शारीरिक संबंध बनाए। नाबालिग किशोरी के माता-पिता ने कापोद्रा पुलिस में मामले की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने परिजनों की शिकायत के आधार पर युवक के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

दो माह की मासूम बच्ची को केबल ब्रिज के नीचे छोड़ माता-पिता रफूचक्कर हो गये

इस पति-पत्नी को देखकर कौन बता सकता है कि ये अपनी मासूम बच्ची को छोडकर जा रहे हैं। सूरत के अडाजन में केबल ब्रिज पर दो महीने की बच्ची लावारिस हालत में मिली। एक राहगीर ने बच्ची को देखा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने बच्ची को इलाज के लिए सिविल अस्पताल में शिफ्ट कर दिया है। वहीं पूरे मामले में शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बच्ची को छोड़ माता-पिता केबल पुल के पास से गुजर रहे हैं, यह दृश्य सीसीटीवी में कैद हो गया है।

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत में अडाजन और पारले पॉइंट को जोडने़ वाले केबल ब्रिज पर एक बच्ची लावारिस हालत में मिली। यहां राहगीरों की नजर फूल जैसी मासूम बच्ची पर पड़ी। लोगों ने तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी। लिहाजा पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तुरंत बच्ची को इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

पुलिस ने माता-पिता की तलाश शुरू की
नवजात बच्ची को ऐसे छोड़कर गए माता-पिता की तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस ने आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी को खंगालना शुरू कर दिया है जिसके आधार पर नवजात शिशु को किसने और कब छोड़ा है, उसकी जानकारी मिल सकती है। बता दें कि फूल सी कोमल दो माह की मासूम को त्यागने की घटना से हड़कंप मच गया। मासूम बच्ची को छोडने़ वालों पर लोग जमकर फिटकार बरसा रहे हैं। पूरे मामले में अडाजन पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस की एसएचई (शी) टीम बच्चे की देखरेख कर रही है कंट्रोल रूम में कॉल आने के बाद शी टीम द्वारा बच्ची को सिविल अस्पताल ले जाया गया है। उक्त टीम की सदस्या ममता मकवाना नवजात की देखभाल कर रही हैं। बच्ची का स्वास्थ्य तंदुरुस्त है। उसे एन.आई. सी, यू में निगरानी में रखा गया है। शी टीम फिलहाल एक मां की तरह बच्ची की सुरक्षा कर रही है और हर दो घंटे में उसे दूध पिलाया जा रहा है। एक तरफ पुलिस माता-पिता की तलाश कर रही है, वहीं शी टीम फिलहाल बच्ची के स्वास्थ्य का ध्यान रख रही है।

तत्काल कार्रवाई की गई - पुलिस डीसीपी हर्षद मेहता ने कहा कि कंट्रोल रूम को सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। सबसे पहले बच्ची के स्वास्थ्य को देखते हुए उसे मेडिकल जांच के लिए भेजा गया।

शी टीम भी इसकी निगरानी कर रही है। पुलिस द्वारा लगातार सतर्कता बरतने के साथ ही बच्ची के माता-पिता का पता लगाने के लिए सीसीटीवी खंगालो गये। अडाजन पुलिस द्वारा पूरे मामले की आगे की जांच की जा रही है।

मगदल्ला में पाप छिपाने के लिए बच्चे को फेंका गया था पिछले सप्ताह सूरत के मगदल्ला इलाके से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई थी। मगदल्ला गांव के पंचकुटीर गली में सड़क पर एक नवजात शिशु मृत मिला। इस नवजात बच्चे को उसकी नाबालिग मां ने छोड़ दिया था। जो बच्चा इस दुनिया में आया है उसने ठीक से सांस भी नहीं ली और उसकी सांसे थम सी गई। पुलिस की जांच में पता चला है कि नवजात को जन्म देनेवाली नाबालिग थी और सहेली के दोस्त के संपर्क में आने पर वह मां बनी। बाद में पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की।

कोरोना से मरने वाले नगर निगम के 30 कर्मचारियों के आश्रितों को नौकरी दी गई

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत नगर निगम में ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले कर्मचारियों के साथ-साथ चालू ड्यूटी के लिए अनफिट घोषित कर्मचारियों के साथ-साथ कोविड के दौरान मरने वाले नगर निगम के कर्मचारियों के आश्रितों को भी रोजगार देने का फैसला किया गया है।

पिछले डेढ़ साल में 13 आश्रितों को नौकरी दी गई
सूरत नगर पालिका में सेवा दे रहे और ड्यूटी के दौरान मृत हुए कर्मचारियों के अलावा चालू ड्यूटी के लिए अनफिट घोषित किए गए कर्मचारियों के आश्रितों को रोजगार दिया जा रहा है। पिछले डेढ़ साल में 13 आश्रितों को इस नियम के तहत नौकरी दी जा चुकी है।

कोरोना में जान गंवाने वाले कर्मचारियों के 30 आश्रितों को नौकरी दी जायेगी इसके अलावा सूरत नगर पालिका समेत पूरी दुनिया में तबाही मचाने वाले कोविड के दौरान कई कर्मचारियों की मौत हो गई। सूरत नगर निगम में ऐसे कर्मचारियों के करीब 30 आश्रितों को नौकरी देने का निर्णय लिया गया है। आश्रितों को नौकरी दिलाने के लिए नगर आयुक्त ने कार्य करने का निर्देश दिया। जिसके तहत ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले मृतक कर्मचारियों के सीधे वारिसों को तृतीय श्रेणी लिपिक सहित 13 लोगों को रोजगार दिया गया है।

मुंबई से एमडी ड्रग्स की खेप ला रहे,दो जनें गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत क्राइम ब्रांच की एक टीम ने एक गुप्त सूचना के आधार पर सीमाडा चौकी से एक शानदार कार में दो लोगों को भारी मात्रा में नशीले पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने 19.45 ग्राम एमडी ड्रग्स 1,94,500 रुपये जब्त की है। दोनों आरोपियों ने कबूल किया है कि वे मुंबई से ड्रग्स लाए थे।

क्राइम ब्रांच ने सूचना के आधार पर कार रोकी
सूरत पुलिस द्वारा सूरत सिटी ड्रग्स मुक्त अभियान शुरू किया गया है। जिसके तहत ड्रग्स बेचने वाले लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इसी बीच सूरत क्राइम ब्रांच की टीम को सूचना मिली कि कुछ लोग कार में नशीला पदार्थ ला रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने सीमाडा चौकी के पास पहरा लगा दिया और मैरून रंग की कार नंबर जीजे05 सीआर 8190 को जब्त कर लिया।

कार की तलाशी लेने के बाद दो आरोपी गिरफ्तार
पुलिस ने कार की तलाशी ली तो उसमें 1,94,500 रुपए कीमत की 19.45 ग्राम एमडी ड्रग्स मिली। तो पुलिस ने एक कार, 1.01 लाख कैश, मोबाइल फोन और ड्रग्स बरामद कर कुल 4.30 लाख की संपत्ति जब्त की है। इस घटना में पुलिस ने नाना वराछा चौपाटी के पास रहने वाले शैलेशभाई नाथुभाई पटेल और ड्राइवर की सीट के बगल वाली सीट पर बैठे व बड़ा वराछा लजामनी चौक के पास रहने वाले कमलेश बावनजीभाई चौवटिया को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने गहनता से जांच शुरू की पुलिस द्वारा आरोपियों से सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने मुंबई के मीरा भाईंदर रोड स्थित एक व्यक्ति से मादक पदार्थ की मात्रा खरीदी थी और कार में लाये थे। आरोपी के खिलाफ सारोली थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने पूरे मामले की गहनता से जांच शुरू कर दी है कि आरोपी किसे नशीला पदार्थ देने वाले थे और क्या वे पहले नशीला पदार्थ लेकर आए थे।

इच्छापुर के ट्रांसपोर्ट ड्राइवर ने सूत की जगह मिट्टी भरा कंटेनर डिलीवर किया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सेलवास स्थित रिलायंस कंपनी से रु. 27.30 लाख का पॉलिएस्टर टेक्सचर्ड यार्न को हजीरा के अदाणी पोर्ट टर्मिनल पर पहुंचाने के बजाय दूसरों को बेच दिया गया। इच्छापुर में एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के ड्राइवर के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज की गई है, जिसने कंटेनर को यार्न के बदले मिट्टी की बेगों से भर दिया था।

सेलवास से हजीरा लाते वक्त रास्ते में सूत निकाला
13 दिसंबर को सूरत-हजीरा रोड के विष्णु नगर सोसाइटी स्थित हरमेश ट्रांसपोर्ट सॉल्यूशंस के सुपरवाइजर अवनीश तिवारी, चालक मोहम्मद यासिर को अदाणी पोर्ट से कंटेनर नं. जीजे-15 एटी-4433 लेकर सेलवास स्थित रिलायंस कंपनी को भेजा गया था। जिसमें से 16 दिसंबर को मोहम्मद यासिर ने 23,359 किलोग्राम पॉलिएस्टर टेक्सचर्ड यार्न 27.30 लाख का माल कंटेनर में लेकर अदाणी पोर्ट टर्मिनल पर वापसी के बाद ट्रान्सपोर्ट कंपनी के आदेस से उकाई, जे.के.कागज मिल में चला गया।

कंटेनर जहाज पर चढाने से पहले जांच करने पर सूत के स्थान पर मिट्टी दिखी
दो दिन बाद अदाणी पोर्ट की कस्टम हाउस एजेंसी के मैनेजर बृजेश सूरजलाल मिश्रा (उम्र 42, कृष्णानगर सोसाइटी, इच्छापुर) का फोन आया और कंटेनर में सूत की जगह मिट्टी भरे जाने का वीडियो भेजा। इसलिए मैनेजर व सुपरवाइजर ने तत्काल हजीरा रोड स्थित भवानी यार्ड के पास चालक मोहम्मद यासिर को रोक कर सूत के बारे में पूछताछ की और चालक व नीलेश के खिलाफ हजीरा थाना में धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज करायी, जिसने नीलेश यादव को हाइवे पर सूत बेचने की बात कबूल की।

पत्नी और बच्चे के साथ बाइक पर सवार युवक का गला पतंग की डोर से कट गया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

पत्नी व बच्चे के साथ बाइक पर सवार पांडेसरा निवासी युवक का गला पुल पर पतंग की डोर से कट गया। पत्नी की उंगली भी कट जाने से चोट आई और बच्ची के मां के हाथ से गिर जाने के बावजूद चमत्कारिक बचाव हुआ। स्थानीय लोगों ने घायल युवक को सिविल अस्पताल में शिफ्ट कर दिया।

शाम का समय होने से पतंग की डोर नही दिखी
जानकारी के अनुसार पांडेसरा पुनीतनगर निवासी बबलू विश्वकर्मा (20) फर्नीचर बनाने का काम करता है। वह बाइक से पत्नी संगीताबेन और 4 साल की बेटी आर्या के साथ डिंडोली चाचा के घर जा रहा था। पीयूष प्वाइंट ब्रिज से बाईक पर गुजर रहा था तभी अचानक पतंग की डोरी आने से बबलू का गला कट गया। शाम का समय होने के कारण डोर दिखाई नहीं दे रही थी लेकिन जब उसे लगा कि डोर गिर रही है तो उसने उसे अपने हाथ से रोकने की कोशिश की। लेकिन तब तक उसका गला कट चुका था और हाथ भी जख्मी हो गया था। रस्सी से बचने की कोशिश में संगीताबेन की उंगली भी कटकर जख्मी हो गई और वो बाइक से गिर गईं। इसी बीच बबलू पत्नी और बच्ची के साथ बाइक से गिर गया। लोग बबलू को 108 सिविल में ले गए। जहां अब उनकी सेहत स्थिर बताई जा रही है।

शहर में तीसरी घटना, नगर पालिका तार कब बनवाएगी?
शहर के पुलों, फ्लाईओवरों और सड़कों को मिलाकर हर साल लगभग 400 किमी केबल लगाई जाती है, जिसकी अनुमानित लागत 35 लाख रुपये है। हालांकि, अब तक पतंग की डोर से गला काटने की 3 घटनाएं दर्ज हो चुकी हैं, लेकिन नगर पालिका ने अभी तक तार नहीं बांधा है।